Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 137
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00
बुधवार,17 दिसम्बर 2025

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 गर्लफ्रेंड का कमरा खाली कराया तो बॉयफ्रेंड ने सिर 4 आस्ट्रेलिया पर आतंकी हमला 5 जब काजोल को दिखा लोगों पर डीडीएलजे का असर

विजय दिवस पर राष्ट्रपति भवन में भारत के वीरों को सम्मान

द्रौपदी मुर्मू ने किया परमवीर दीर्घा का उद्घाटन

नयी दिल्ली: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में परमवीर दीर्घा का उद्घाटन किया, जिसमें मातृभूमि के लिए प्राणों की आहुति देने वाले राष्ट्रीय नायकों के चित्र प्रदर्शित किए गए हैं। इस दीर्घा में परमवीर चक्र से सम्मानित सभी 21 विजेताओं के चित्र प्रदर्शित हैं। परमवीर चक्र भारत का सर्वोच्च सैन्य सम्मान है जो युद्ध के दौरान असाधारण वीरता, साहस और बलिदान के लिए प्रदान किया जाता है। राष्ट्रपति भवन के एक बयान में कहा गया, दीर्घा का उद्देश्य आगंतुकों को उन राष्ट्रीय नायकों के बारे में जानकारी प्रदान करना है जिन्होंने राष्ट्र की रक्षा में अदम्य संकल्प और साहस का प्रदर्शन किया। यह उन वीर योद्धाओं को याद करने की भी एक पहल है जिन्होंने मातृभूमि की सेवा में अपने प्राणों की आहुति दी।

राष्ट्रपति ने 16 दिसंबर को विजय दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति भवन में परमवीर दीर्घा का उद्घाटन किया। विजय दिवस 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में लड़ने वाले सैनिकों के सम्मान में मनाया जाता है जिसका समापन पाकिस्तान की सेना के आत्मसमर्पण के साथ हुआ था। देश की सशस्त्र सेनाओं की ऐतिहासिक विजय के साथ ही बांग्लादेश अस्तित्व में आया था।

बनाई गई है, वहां पहले ब्रिटिश सहायक अधिकारियों के चित्र लगे थे। भारतीय राष्ट्रीय नायकों के चित्र प्रदर्शित करने की यह पहल औपनिवेशिक मानसिकता को त्यागने और भारत की समृद्ध संस्कृति, विरासत और शाश्वत परंपराओं को गर्व से अपनाने की दिशा में एक सार्थक कदम है।

संसद सत्र : राज्यसभा में विपक्ष ने लगाये वोट चोरी के आरोप

नयी दिल्ली : विपक्षी दलों ने राज्यसभा में मंगलवार को सत्ता पक्ष पर चुनावों में वोट चोरी का आरोप लगाया जिस पर सत्ता पक्ष ने कहा कि इसकी शुरूआत कांग्रेस ने पहले आम चुनाव के समय ही की थी। सदन में चुनाव सुधारों पर पिछली बैठक में अधूरी रही चर्चा को आगे बढ़ाते हुए बहुजन समाज पार्टी के रामजी ने कहा कि किसी उम्मीदवार का आपराधिक इतिहास अखबारों में प्रकाशित करने की जिम्मेदारी उम्मीदवार और राजनीतिक दल को दी गयी है। कई बार उम्मीदवार पार्टी से भी यह जानकारी छिपाते हैं। इसलिए, राजनीतिक दलों को इस जिम्मेदारी से मुक्त किया जाना चाहिये। झारखंड से भारतीय जनता पार्टी के प्रदीप कुमार वर्मा ने कहा कि लंबे समय से मतदाता सूची के पुनरीक्षण का काम नहीं हुआ था और यह जरूरी हो गया था। इससे बोगस मतदान रुकेगा। शिवसेना-यूबीटी की प्रियंका चतुर्वेदी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के दौरान वोट चोरी का आरोप लगाते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव से विधानसभा चुनाव तक 48 लाख मतदाता बढ़ गये। उन्होंने कहा कि जब वोट चोरी से काम नहीं बनता तो पार्टी चोरी होती है, और उससे भी बात नहीं बनती तो चंदा चोरी करते हैं। जो कंपनियां सत्ता पक्ष के दलों को चंदा देती हैं उन्हें उपकृत किया जाता है और जो विपक्षी दलों को चंदा देती हैं उनके खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों को लगा दिया जाता है। मध्य प्रदेश से भाजपा की सुमित्रा बाल्मिकी ने हाल के वर्षों में चुनाव सुधारों की तारीफ करते हुए कहा कि पहले किसी स्कूल अध्यापक की चुनाव ड्यूटी लग जाती थी तो उसके घर में मातम छा जाता था - पता नहीं घर के एक मात्र कमाने वाला सदस्य सकुशल वापस आये या नहीं। आज महिलाएं और युवतियां बिना डरे कतारों में खड़ी होकर वोट डालती हैं। केरल से इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के हारिस बीरन ने मताधिकार को संविधान के तहत मौलिक अधिकार बनाने की वकालत करते हुए कहा कि अपने घर से दूर और विदेशों में भी रोजी कमाने वालों के लिए भी मतदान की व्यवस्था की जानी चाहिये। उत्तर प्रदेश से भाजपा के सुरेंद्र सिंह नागर ने वोट चोरी को विपक्ष के आरोपों पर कहा कि देश में सबसे पहले 1952 में कांग्रेस ने वोट चोरी की शुरूआत की थी जब 74 हजार मतपत्र अमान्य कर बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर को हराने की साजिश की गयी थी।

सार संक्षेप

दिल्ली: इंदिरा गांधी हवाई अड्डे पर आज भी 126 उड़ानें रद्द

नयी दिल्ली : दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मंगलवार सुबह 126 उड़ानें रद्द रहीं। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि दोपहर 12 बजे तक दिल्ली से जाने वाली 49 घरेलू उड़ानें और दिल्ली आने वाली 77 उड़ानें अब तक रद्द रही हैं। आज हालांकि सोमवार की तरह घना कोहरा नहीं छाया रहा, लेकिन सोमवार को हुई देरी और रद्द रही उड़ानों का असर परिचालन पर देखने को मिला। इसके अलावा, कुछ असर आज की कम दृश्यता का भी रहा है।सोमवार को 228 उड़ानें रद्द रही थीं जिनमें 131 जाने वाली और 97 आने वाली उड़ानें थीं। इसके अलावा पांच उड़ानों को दूसरे शहरों के लिए डायवर्ट करना पड़ा था। दिल्ली एयरपोर्ट की तरफ से दोपहर के समय सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया गया है कि अब विमानों का परिचालन निर्बाध रूप से हो रहा है लेकिन सुबह रही देरी का कुछ असर आगे भी देखा जा सकता है। उसने उड़ानों की सही स्थिति की जानकारी के लिए संबंधित एयरलाइन से संपर्क करने की सलाह दी है।इससे पहले, सुबह के पोस्ट में कहा गया था कि उड़ानों के परिचालन में लगातार सुधार हो रहा है, हालांकि प्रस्थान और आगमन की कुछ उड़ानों में व्यवधान हो सकता है।

कमजोर वैश्विक रुझानों के बीच कारोबार में गिरावट, लाल निशान पर आये सेंसेक्स-निफ्टी

मुंबई : विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और कमजोर वैश्विक बाजार रुझानों से निवेशकों की धारणा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने से मंगलवार को शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में 363.92 अंक टूटकर 84,849.44 अंक पर और एनएसई निफ्टी 106.65 अंक फिसलकर 25,920.65 अंक पर आ गया। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से इटर्नल, एक्सिस बैंक, एचसीएल टेक, इन्फोसिस, टाटा स्टील और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर में सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गई। वहीं भारती एयरटेल, एशियन पेंट्स, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स और टाइटन के शेयर फायदे में रहे। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की 225, चीन का एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट में रहे।

यमुना एक्सप्रेस-वे हादसा: आग बुझी तो मिले कंकाल...

मथुरा में 8 बसें-3 कारें टकराईं, 13 जिंदा जले

मथुरा: मथुरा के बलदेव में यमुना एक्सप्रेस-वे पर मंगलवार तड़के हुए हादसे के बाद का मंजर डरावना है। घने कोहरे में एक के बाद एक टकराने से सात बसों और तीन कारों में लगी भीषण आग ने जमकर तबाही मचाई। अब तक 13 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। कई लाशें इस कदर जली हुई हैं, कि उनकी पहचान करना भी मुश्किल है। सात बसों और तीन कारों में आग इतनी भयानक थी कि कई लोगों को तो बचने का मौका ही नहीं मिला। दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पा लिया। हादसे के बाद बसों से कंकाल, खोपड़ियां और अधजलीं लाशें निकालीं गईं, तो देखने वालों का कलेजा कांप गया। आग इतनी भयानक थी कि एक्सप्रेस-वे पर सफेद पट्टी तक पूरी तरह पिघल कर मिट गई। कई लाश बसों की सीटों पर चिपकी हुईं मिलीं। पुलिस ने इन लाशों को बसों से बाहर निकाला। इनको 17 बैग में रखकर पोस्टमार्टम हाउस पहुंचाया गया है।

एंबुलेंस का सायरन और चीखें दहला रहीं दिल

यमुना एक्सप्रेस-वे पर हुए इस हादसे के बाद भयावहता का आलम कलेजा चीर रहा है। मृतक के परिजनों की चीखें और एंबुलेंस के सायरन की आवाज दिल दहला रही है। घायल अपनोंको तलाशते हुए बदहवास हालत में इधर-उधर दौड़ते नजर आ रहे हैं। यह दृश्य देखकर मौके पर मौजूद लोगों का दिल कांप उठा।

राहत कार्य में जुटीं टीमें

हादसे के बाद मौके पर करीब 14 एंबुलेंस घायलों को अस्पताल पहुंचाने में जुटी रहीं। 11 दमकलों ने आग पर काबू पाया। इस दौरान टोल के पास ही टैंकरों की व्यवस्था की गई थी, जिससे दमकलों को पानी के लिए दूर नहीं जाना पड़े।

तीन की हुई शिनाख्त

यमुना एक्सप्रेस-वे पर हुए इस हादसे में 13 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, लेकिन शिनाख्त अभी तक तीन की ही हुई है। शव इतनी बुरी तरह जल चुके हैं कि उनकी पहचान कर पाना मुश्किल है। ऐसे में मृतकों की शिनाख्त के लिए डीएनए जांच का सहारा लिया जाएगा।

नेशनल हेराल्ड केस में गांधी परिवार को बड़ी राहत

नयी दिल्ली : दिल्ली की एक अदालत ने नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी, सोनिया गांधी और पांच अन्य के खिलाफ धन शोधन के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के आरोपपत्र पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया। प्रवर्तन निदेशालय ने कहा कि वह अदालत के आदेश के खिलाफ अपील दायर करेगा। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने कहा कि इस मामले में दाखिल आरोपपत्र एक निजी व्यक्ति की शिकायत पर की गई जांच पर आधारित है, न कि किसी मूल अपराध से संबंधित प्राथमिकी पर। उन्होंने कहा कि कानून के तहत इस पर संज्ञान लेना स्वीकार्य नहीं है। आदेश के मुख्य हिस्से को पढ़ते हुए न्यायाधीश ने कहा कि इस मामले में दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा पहले ही प्राथमिकी दर्ज कर चुकी है इसलिए ऐसे में गुण-दोष के आधार पर प्रवर्तन निदेशालय के तर्कों पर विचार करना अभी जल्दबाजी होगी। प्रवर्तन निदेशालय ने कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी एवं राहुल गांधी, दिवंगत पार्टी नेताओं मोतीलाल वोरा एवं ऑस्कर फर्नांडिस के अलावा सुमन दुबे, सैम पित्रोदा और एक निजी कंपनी यंग इंडियन पर आपराधिक साजिश और धनशोधन का आरोप लगाया है। आरोप है कि उन्होंने एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) की लगभग 2,000 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियों का अधिग्रहण किया। यह कंपनी नेशनल हेराल्ड अखबार का प्रकाशन करती है।

दिन में वाहनों की हेडलाइट ऑन कर चले लोग, राजधानी में छाया घना कोहरा

लखनऊ,। राजधानी लखनऊ में

आज सीजन का सबसे घना कोहरा छाया हुआ है। कई इलाकों में 20 मीटर ही रह गई। लोगों को दिन में भी वाहनों की हेडलाइट ऑन कर चलना पड़ा। धूप निकलने के साथ मौसम साफ होना शुरू होगा। मौसम विभाग का अनुमान है कि आज लखनऊ का अधिकतम तापमान 25 डिग्री और न्यूनतम तापमान 10 डिग्री के आसपास दर्ज किया जाएगा। एक्यूआई फिर से 200 के पार हो गया। अधिकतम तापमान 24.6 डिग्री दर्ज किया गया। यह सामान्य तापमान से 0.7 डिग्री अधिक रहा। न्यूनतम तापमान 11 डिग्री रहा। यह सामान्य तापमान से 1.6 डिग्री अधिक रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की तरफ से सोमवार शाम 4 बजे जारी आंकड़े के मुताबिक लखनऊ का औसत एक्यूआई 213 के साथ खराब जोन में दर्ज किया गया।

अयोध्या पहुंचे मुख्यमंत्री, डॉ. रामविलास वेदांती को दी श्रद्धांजलि

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को अयोध्या पहुंचे, जहां उन्होंने श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के प्रमुख नेता रहे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व सांसद डॉ. रामविलास वेदांती को श्रद्धांजलि अर्पित की। डॉ. वेदांती का एक दिन पहले दयाघात के कारण निधन हो गया था। मुख्यमंत्री ने वशिष्ठ आश्रम के संत डॉ. रामविलास वेदांती को पुष्पांजलि अर्पित की। योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर कहा, आज श्री अयोध्या धाम में पूर्व सांसद एवं वशिष्ठ आश्रम के पूज्य संत, ब्रह्मलीन डॉ. रामविलास

वेदांती जी महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने लिखा, ह्यराम काज व राष्ट्र सेवा हेतु समर्पित उनका संपूर्ण त्यागमय जीवन हम सभी के लिए सदैव स्मरणीय और प्रेरणाप्रद रहेगा। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करें। अधिकारियों के अनुसार, अयोध्या दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर और हनुमानगढ़ी मंदिर में भी पूजा-अर्चना की। 67 वर्षीय डॉ. रामविलास वेदांती का सोमवार को मध्यप्रदेश के रीवा जिले के एक अस्पताल में निधन हो गया था। अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उनका रीवा में उपचार किया जा रहा था। अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि असपताल में भर्ती के समय उन्हें रक्त विषाक्तता (सेप्टीसीमिया) का गंभीर संक्रमण था, जो अत्यधिक फैल चुका था और इसके कारण उनके अंगों ने काम करना बंद कर दिया था। श्रीराम जन्मभूमि न्यास के कार्यकारी अध्यक्ष रहे डॉ. वेदांती का जन्म सात अक्टूबर 1958 को रीवा जिले के गुढ़वा (गुढ़) में हुआ था। वह लंबे समय तक श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन से जुड़े रहे और अयोध्या में रहकर आंदोलन का नेतृत्व किया। वे उत्तर प्रदेश के मछलीशहर (1996 से 1998) और प्रतापगढ़ (1998 से 1999) से लोकसभा सदस्य रहे। वेदांती के उत्तराधिकारी महंत राघवेश दास ने बताया कि वेदांती अयोध्या में हिंदू धाम नया घाट पर रहते थे और वशिष्ठ भवन नाम से उनका एक आश्रम भी है।

वपक्ष के विरोध के बीच जी राम जी विधेयक लोकसभा में पेश

हमारे दिलों में बसते हैं महात्मा गांधी : शिवराज

नयी दिल्ली : सरकार ने विपक्ष के तीखे विरोध के बीच मंगलवार को लोकसभा में विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025 पेश किया, जो महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के स्थान पर लाया गया है। ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच यह विधेयक पेश करने का प्रस्ताव रखा, जिसे सदन ने ध्वनिमत से मंजूरी दी। विपक्षी सदस्यों ने विधेयक का विरोध करते हुए कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का नाम हटाया जाना उनका अपमान है। उन्होंने यह भी कहा कि विधेयक को वापस लिया जाए या फिर संसदीय समिति के पास भेजा जाए। मंत्री चौहान ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा, महात्मा गांधी हमारे दिलों में बसते हैं। उनका कहना था कि मोदी सरकार महात्मा गांधी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों पर आधारित कई योजनाएं चला रही है। उन्होंने सवाल किया, कांग्रेस की सरकार ने भी जवाहर रोजगार योजना का नाम बदला था तो क्या यह पंडित जवाहरलाल नेहरू का अपमान था? मंत्री चौहान ने कहा कि सरकार ने मनरेगा पर 8.53 लाख करोड़ रुपये खर्च किए हैं। उन्होंने बताया, हम इस विधेयक में 125 दिन के रोजगार की गारंटी दे रहे हैं। यह कोई कोरी गारंटी नहीं है, बल्कि 1.51 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि इस विधेयक से गांवों का संपूर्ण विकास होगा। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा ने विधेयक पेश किए जाने का विरोध करते हुए कहा कि इससे रोजगार का कानूनी अधिकार कमजोर हो रहा है। उन्होंने कहा, विधेयक में केंद्र के अनुदान को 90 से 60 प्रतिशत किया गया है और राज्यों पर अतिरिक्त भार पड़ेगा। उन्होंने कहा, विधेयक वापस लिया जाना चाहिए या कम से कम स्थायी समिति के पास भेजा जाए। प्रियंका गांधी ने कटाक्ष करते हुए कहा कि किसी की निजी महत्वाकांक्षा, सनक और पूर्वाग्रह के आधार पर कोई विधेयक पेश नहीं होना चाहिए।

राहुल गांधी ने 'जी राम जी' बिल पर सरकार को घेरा

मोदी को महात्मा गांधी के विचारों से नफरत

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने 'जी राम जी' बिल को लेकर भारत सरकार पर निशाना साधा है. केंद्र सरकार ने संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) बदलने का प्रस्ताव रखा है, जो कि 2005 में कांग्रेस की यूपीए सरकार लेकर आई थी.राहुल गांधी ने सरकार पर हमला करते हुए कहा कि जी राम जी बिल का लाना, महात्मा गांधी के आदर्शों का अपमान करना है. कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि इस योजना को हटाकर प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी की सरकार गांव के गरीब लोगों की सुरक्षित आजीविका को खत्म करना चाहती है। राहुल गांधी ने सरकार पर साधा निशाना कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पीएम मोदी की सरकार पर आरोप लगाए. राहुल गांधी ने लिखा कि प्रधानमंत्री मोदी हमेशा ही महात्मा गांधी के विचारों के खिलाफ रहते हैं और वे 2014 से उनके नाम से चल रही योजनाओं को कमजोर करते जा रहे हैं. कांग्रेस इस तरह के सभी निर्णयों की निंदा करती है राहुल गांधी ने लिखा कि 'प्रधानमंत्री मोदी को दो चीजों से पक्की नफरत है- महात्मा गांधी के विचारों से और गरीबों के अधिकारों से। मनरेगा, महात्मा गांधी के ग्राम-स्वराज के सपने का जीवंत रूप है- करोड़ों ग्रामीणों की जिंदगी का सहारा है, जो कोविड काल में उनका आर्थिक सुरक्षा कवच भी साबित हुआ। मगर, प्रधानमंत्री मोदी को यह योजना हमेशा खटकती रही और पिछले दस सालों से इसे कमजोर करने की कोशिश करते रहे हैं। आज वो मनरेगा का नामो-निशान मिटाने पर आमादा है।

गोरखपुर जं. रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों का निरीक्षण करते हुए महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर

गोरखपुर,: महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर ने 16 दिसम्बर,2025 को विद्युत लोको शेड, गोरखपुर, ओल्ड कोचिंग काम्प्लेक्स में निमार्णाधीन वाशिंग पिट लाइन तथा गोरखपुर जं. रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास हेतु निर्माण कार्यो का निरीक्षण किया। निरीक्षण के प्रथम चरण में महाप्रबंधक ने विद्युत लोको शेड, गोरखपुर का निरीक्षण किया, जहॉ उन्होंने इंस्पेक्शन शेड तथा व्हील लेथ की कार्य प्रणाली एवं इंजनों के रख-रखाव के विभिन्न पहलुओं पर अधिकारियों एवं कार्यरत कर्मचारियों से चर्चा किया। श्री बोरवणकर ने लोको शेड द्वारा कमीशन की गई पहली गुड्स लोको 42126 डब्लू.ए.जी. 9 एच.सी. I निरीक्षण किया, जिसे मास्टर क्राफ्ट मैन श्री ओंकार नाथ शर्मा द्वारा हरी झंडी दिखाकर परिचालन हेतु रवाना किया गया। इसके साथ ही विद्युत लोको शेड, गोरखपुर की होल्डिंग 60 लोको हो गई है, जिसमें 42 डब्लू.ए.पी.-4, 17 डब्लू.ए.पी.-7 एवं 01 डब्लू.ए.जी. 9 एच.सी. लोको सम्मिलित है। गुणवत्ता, पर्यावरण संरक्षण, कार्य स्थल सुरक्षा तथा ऊर्जा प्रबंधन के क्षेत्र उल्लेखनीय प्रदर्शन हेतु लोको शेड को मिले 04 सर्टिफिकेशन्स के लिए बधाई देते हुए महाप्रबंधक ने कहा कि ने सर्टिफिकेट आपको अपने कार्य की गुणवत्ता को बढ़ाने तथा निरंतर प्रगति के लिए प्रेरित करते रहेंगे। लोको शेड की कार्यप्रणाली की पर संतोष व्यक्त करते हुए महाप्रबंधक ने कहा कि इस शेड में अनुरक्षित लोको की विश्वसनीयता बढ़ी है तथा इस शेड की काफी उन्नति होनी है। उन्होंने शेड की क्षमता 60 से बढ़कर 150 होने की उम्मीद जताई तथा कर्मचारियों एवं अधिकारियों से कहा कि आने वाले समय में शेड में कार्य बढ़ने के साथ ही आप सभी का दायित्व भी बढ़ जायेगा। श्री बोरवणकर ने कर्मचारियों के ज्ञानवर्धन तथा उनकी सुविधा हेतु ड्राइंग, स्पेशिफिकेशन्स तथा अन्य उपयोगी पोस्टर शेड के अन्दर जगह-जगह लगाने तथा कर्मचारियों की सुविधा हेतु उन्नत सुविधाओं को मुहैया कराने हेतु निर्देशित किया। लोको शेड के सभागार में बैठक के दौरान पावर प्रजेन्टेशन के माध्यम से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर श्री अरविन्द कुमार राय ने लोको शेड की गतिविधियां, कार्यप्रणाली, उपलब्धियॉ तथा स्टॉक की उपलब्धता से महाप्रबंधक को अवगत कराया। इस दौरान प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर श्री संजय सिंहल, मण्डल रेल प्रबंधक, लखनऊ श्री गौरव अग्रवाल, मुख्य विद्युत लोको इंजीनियर श्री सत्येन्द्र कुमार सिंह, उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/लोको श्री अजितेन्द्र त्रिपाठी, मंडल विद्युत इंजीनियर श्रीमती जया द्विवेदी, मंडल विद्युत इंजीनियर श्री अभिषेक मिश्रा सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। निरीक्षण के दूसरे चरण में महाप्रबंधक ने ओल्ड कोचिंग काम्प्लेक्स, गोरखपुर में निमार्णाधीन वाशिंग पिट लाइन का गहन निरीक्षण कर कार्य की गुणवत्ता एवं प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने पिट के ले-आउट का अवलोकन किया तथा कार्य को पूरी गुणवत्ता के साथ समय से पूरा करने हेतु निर्देशित किया। इसके पश्चात गोरखपुर जं. स्टेशन का निरीक्षण करते हुए श्री बोरवणकर ने स्टेशन के पुनर्विकास के माडल का अवलोकन किया। उन्होंने निमार्णाधीन मुख्य स्टेशन भवन के साथ ही दक्षिण-पूर्व में किये जा रहे निर्माण कार्यो, टिकट काउंटर तथा मल्टी लेवल पार्किंग का निरीक्षण किया। महाप्रबंधक श्री बोरवणकर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्माण कार्य के दौरान यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और उनका निर्बाध आवागमन होता रहे। इस दौरान मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण श्री अभय कुमार गुप्ता, मण्डल रेल प्रबंधक/लखनऊ श्री गौरव अग्रवाल सहित मुख्यालय, गोरखपुर तथा लखनऊ मण्डल के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

झुलसी महिला की 16 दिन बाद मौत

छावनी। थाना क्षेत्र के उड़गइया गांव में 28 नवंबर की सुबह 25 वर्षीय रोशनी पत्नी सुनील विश्वकर्मा किचन में खाना बनाते समय संदिग्ध परिस्थितियों में बुरी तरह झुलसी गई थी। लखनऊ के अस्पताल में इलाज चल रहा था। सोमवार की सुबह 16 दिन तक उसकी मौत हो गई। शाम को सरयू घाट पर दाह संस्कार कर दिया गया। पत्नी को बचाने पहुंचे पति सुनील भी झुलस गए थे। शोर सुनकर पड़ोसी पहुंचे और आग पर काबू पाया था। रोशनी की शादी दो साल पूर्व सुनील के साथ हुई थी।

कुआनो नदी के पुल पर मिला अधेड़ का शव

लालगंज। थाना क्षेत्र के कुआनो नदी के पुल के पास सोमवार की सुबह कुदरहा ब्लॉक के पशु अस्पताल में तैनात चतुर्थ श्रेणी कर्मी मसुरिहा ग्राम निवासी कमलेश सिंह (58) का शव मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सुबह टहलने निकले ग्रामीणों ने कुआनो नदी के पुल के पास शव पड़ा देखकर लालगंज के प्रधान प्रतिनिधि वीरेंद्र कुमार बबलू को सूचना दी। उन्होंने लालगंज चौकी प्रभारी को सूचना दी। इसके बाद लालगंज चौकी प्रभारी अनंत कुमार मिश्रा भी मौके पर पहुंचे और जांच-पड़ताल की। थोड़ी ही देर में शव की शिनाख्त मसुरिहा ग्राम निवासी कमलेश सिंह (58) के रूप में हो गई। कमलेश के शव की सूचना मिलते ही गांव वालों की भीड़ जुट गई। परिवार में कोहराम मच गया। परिवार वालों ने बताया कि कमलेश हृदय रोग से पीड़ित थे। वह शुक्रवार को अपनी बेटी के घर देवरिया के लार गए थे। वहां से रविवार की सुबह घर के लिए निकले थे। कमलेश की दो बेटियां हैं और दोनों का शादी विवाह हो चुकी है।

बिजली का खंभा तोड़ते झोपड़ी में जा घुसी तेज रफ्तार कार

कप्तानगंज (बस्ती)। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के बेलसडे गांव के पास सोमवार की रात तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर बिजली का पोल तोड़ते हुए एक झोपड़ी में जा घुसी। हादसे में झोपड़ी में बंधी दो भैंसों की मौत हो गई। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने कार सवारों की जमकर पिटाई कर दी, जबकि अंधेरे का लाभ उठाकर एक व्यक्ति मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार सोमवार की रात करीब 8:30 बजे कप्तानगंजझ टिनिच मार्ग पर बेलसडे गांव के पास चालक कार पर नियंत्रण खो बैठा और कार सड़क किनारे लगे बिजली के पोल को तोड़ते हुए गांव निवासी राजेंद्र प्रसाद की झोपड़ी में जा घुसी। हादसे में झोपड़ी में बंधी एक गर्भवती भैंस की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरी भैंस गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसने बाद में दम तोड़ दिया। कप्तानगंज थानाध्यक्ष आलोक कुमार श्रीवास्तव मौके पर पहुंचे और दुर्घटनाग्रस्त कार व चालक को कब्जे में ले लिया।

आरसीएच नंबर में की हेराफेरी कर दिया 96 लाख का खेल

बस्ती। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमवीवाई) में सेंधमारी का मामला सामने आने पर महकमे में हड़कंप मचा हुआ है। करीब 96 लाख रुपये भ्रष्टाचारियों ने एक हजार से अधिक फर्जी प्रसूता महिला लाभार्थी दिखाकर उनके बैंक खातों में ट्रांसफर करा दिए हैं। बताया जा रहा है कि यह पूरा खेल रिप्रोडक्टिव चाइल्ड हेल्थ (आरसीएच) नंबर में हेराफेरी करके किया गया है। बता दें प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत पहले बच्चे के लिए दो किस्तों में पांच हजार रुपये का मातृत्व लाभ प्रदान किया जाता है, और दूसरे बच्चे के लिए छह हजार का मातृत्व लाभ प्रदान किया जाता है, बशर्ते वह संतान लड़की हो। जालसाजों ने इसमें भी सेंधमारी शुरू कर दी और जिले में एक ही झटके में 96 लाख रुपये की गड़बड़ी कर डाली है। शुरूआती जांच में रुधौली ब्लॉक में सिर्फ सितंबर में सुनियोजित तरीके से 1000 से अधिक फर्जी लाभार्थियों के बैंक खातों में रकम ट्रांसफर करने की बात सामने आई है। मामला सामने आने पर आनन-फानन में रुधौली ब्लॉक के 133 लंबित आवेदनों को फ्रीज करते हुए भुगतान प्रक्रिया पर रोक लगा दी है। इसके लिए सुपरवाइजर, आंगनबाड़ी, सीडीओ समेत कंप्यूटर ऑपरेटर को दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

खाद की मुनाफाखोरी पर दुकानदार को नोटिस जारी

बस्ती। जिला कृषि अधिकारी डॉ. बीआर मौर्य सोमवार को विकास खंड दुबौलिया के चिलमा बाजार स्थित उर्वरक बिक्री प्रतिष्ठान जय दुर्गे उपभोक्ता सहकारी संघ का निरीक्षण किया। यहां से यूरिया क्रय करने वाले प्रतापपुर गांव के कृषक वीरेंद्र से उन्होंने पूछताछ की। किसान ने बताया कि उन्हें एक बोरी यूरिया 360 रुपये में मिली है। साथ में नैनो यूरिया का खुली पॉलिथीन दिया गया है। जबकि यूरिया अनुदानित मूल्य 266.50 प्रति बोरी है। ओवर रेटिंग का मामला पकड़ में आने पर विक्रेता पूछताछ की गई। डीएओ ने बताया कि जांच के दौरान कृषक को पीओएस मशीन से उर्वरक विक्रय नहीं होना पाया गया है। बिक्री रजिस्टर में किसी भी कृषक का विवरण नहीं मिला। कैश मेमो/ बिल कृषक को नहीं दिया जा रहा है। दुकानदार ने संतोष जनक जवाब भी नहीं दिया। जबकि बहादुरपुर ब्लॉक के जिला सहकारी संघ सिसवारी में बिक्री रजिस्टर अद्यतन नहीं मिला। समिति सचिव को कारण बताओ नोटिस निर्गत किया गया है। इसके पहले रुधौली विकास क्षेत्र के हरिओम ट्रेडर्स तथा श्री राम खाद भंडार महुवार में रेट बोर्ड और बिक्री रजिस्टर अद्यतन नहीं मिली थी।

16 माह बीते नहीं सुलझी जामवंत-अंगद की पहेली

बस्ती। कलयुगी जामवंत और अंगद के दोस्ती की दास्तां उलझाऊ है। जामवंत मरा या अंगद यह आज तक स्पष्ट नहीं हुआ। 12 महीने से इस गुत्थी को सुलझाने में पुलिस भी उलझती गई। 16 महीने से लापता अंगद और इसके ठीक चार महीने बाद उसके दोस्त जामवंत के कथित हत्याकांड से अब तो पुलिस ने भी पीछा छुड़ा लिया है। विद्यालय में बरामद हुए जले शव और परिवार के सदस्यों के डीएनए जांच में जामवंत के मौत की पुष्टि नहीं हुई है। वहीं बूढ़ी मां, पत्नी पथराई आंखों से अभी भी अंगद के घर पहुंचने की राह निहार रहे हैं। मामला दो थाना क्षेत्र वाल्टरगंज और रुधौली से जुड़ा है। नौ जनवरी को वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के धौरहरा गांव के बंद पड़े स्कूल में जला हुआ शव बरामद हुआ। संबंधित स्कूल के प्रबंधक जामवंत के परिजनों ने दावा किया कि जला हुआ शव जामवंत का है। किसी ने दुश्मनी से जामवंत की हत्या करके शव को जला दिया है। जामवंत की हत्या मानकर परिजनों ने उसका ब्रह्मभोज भी कर डाला। लेकिन, पुलिस इस घटना पर यकीन नहीं था। पड़ोसी भी जामवंत की हत्या पर संदेह जताने लगे। पुलिस ने डीएनए जांच कराया तो जामवंत के परिवार के लोगों से डीएनए मैच नहीं हुआ। इस पर पुलिस को विश्वास हो गया है कि जामवंत अपने मौत की कहानी गढ़कर कहीं लापता हो गया है।

पंचायत भवन आंगनबाड़ी भवन खंडहर में तब्दील

पट्टी : जिस उद्देश्य के लिए सरकार गांव में लाखों रुपए का बजट देती है उस पर एक भी अधेला काम नहीं हुआ बल्कि धन का दुरुपयोग इस कदर हुआ है कि कल्पना करना मुश्किल है। विकास खंड बाबा बेलखरनाथ धाम क्षेत्र के करन पुर खूंझी गांव में स्थित पंचायत भवन लगभग 15 साल से खंडहर में तब्दील है,भवन निर्माण कार्य दिखाकर लाखों रुपए ग्राम पंचायत के खाते से निकाल लिया गया

भाई-भाभी गए थे खेत, दोपहर में अकेली थी महिला तभी आया पति और घोंट दिया गला

हमीरपुर। थानाध्यक्ष अनूप सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। हत्यारोपी पति को हिरासत में लिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। पति से विवाद के बाद तीन साल से मायके में रह रही पत्नी की एक युवक ने गला दबाकर हत्या कर दी। दोनों के बीच विवाद के बाद पत्नी मायके चली गई थी। उसने पारिवारिक न्यायालय में गुजारा भत्ते के लिए मुकदमा भी कर रखा है। पुलिस ने हत्यारोपी पति को हिरासत में ले लिया है। थानाक्षेत्र के बांक गांव निवासी रामदास ने बताया कि उसने बेटी अर्चना (28) की शादी वर्ष 2020 में जालौन जनपद के रामपुरा थानाक्षेत्र के छेवना गांव निवासी धर्मेंद्र के से की थी। करीब तीन साल पूर्व बेटा होने के बाद पति से विवाद हो गया। इसके बाद से अर्चना मायके में आकर रहने लगी। उसका पति से गुजारा भत्ते को लेकर का मुकदमा भी चल रहा है। सोमवार को जब उसका भाई रामदास, भाभी फुलझरिया तथा वह खेत गए थे। तभी उसका पति घर पहुंचा और अर्चना को अकेला पाकर गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। शाम करीब साढ़े पांच बजे जब वह लोग घर पहुंचे, तो घटना की जानकारी हुई। मौके से भाग रहे पति को उसने व ग्रामीणों ने पकड़ लिया। अर्चना अपने पीछे बेटे रेहान (3) को रोता बिलखता छोड़ गई है। थानाध्यक्ष अनूप सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। हत्यारोपी पति को हिरासत में लिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

27 करोड़ में बेची जमीन मुआवजा दे रहे दो लाख

कानपुर। कल्याणपुर आवास विकास तीन कम्युनिटी सेंटर के पास सोमवार को करोड़ों की

पौने चार बीघे जमीन पर आवास विकास परिषद ने बुलडोजर चलवा कर कब्जा दिलाया था। मंगलवार को आवास विकास के अधिकारी जमीन पर बाउंड्री निर्माण करा रहे थे। इसी दौरान खुद को भू स्वामी बताने वाली महिलाओं ने जमकर हंगामा काटा। महिलाओं ने आरोप लगाया कि हमारी पुश्तैनी जमीन 27 करोड़ में बेच दी है परिवार को दो लाख रुपए मुआवजा दिया जा रहा है। महिलाओं ने कहा कि इंसाफ के लिए आखिरी सांस तक लड़ेंगे। कल्याणपुर आवास विकास तीन निवासी सूरज प्रसाद शुक्ला ने बताया कि यह उनकी पुश्तैनी जमीन है। तीन भाइयों स्वर्गीय भगवती प्रसाद राधे श्याम शुक्ला के नाम है। परिवार की महिलाओं सुषमा शुक्ला, रेखा शुक्ला, पूनम शुक्ला ने बताया कि वर्तमान में जमीन उनके परिवार का कब्जा है। उन्होंने आरोप लगाया कि आवास विकास उन्हें सर्किल रेट से भी कम मुआवजा दे रहा था। वर्ष 1982 के आधार पर 45 रुपए प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से दो लाख रुपए मुआवजा देने की बात की जा रही है। जबकि जमीन 27 करोड़ रुपए में भारत पेट्रोलियम को बेच दिया गया है। महिलाओं के मुताबिक मंगलवार को मुकदमे की हाईकोर्ट में तारीख है। सोमवार को आवास विकास परिषद के अधिकारियों ने पुलिस बल के साथ जमीन पर कब्जा कराया था। मंगलवार को आवास विकास के अधिकारी बाउंड्री निर्माण कराने का कार्य करवा रहे थे। मंगलवार को महिलाओं ने जमकर हंगामा किया। बुलडोजर के सामने बैठ गई। पुलिस कर्मियों से कई बार झड़प भी हुई। कई बार महिलाओं को हटाया गया उसके बाद फिर हंगामा शुरू कर दिया। दोपहर तीन बजे कर्मचारियों ने काम बंद कर दिया। आवास विकास परिषद के अधिशासी अभियंता ने बताया कि शासन की गाइडलाइन के मुताबिक मुआवजा दिया गया है। लेकिन भू स्वामी ने मुआवजा नहीं लिया। हाईकोर्ट अगर कोई आदेश करेगा तो उसका पालन किया जाएगा। जबरन काम में ये लोग दखल दे रहे हैं। कल्याणपुर थाना प्रभारी राजेंद्रकांत शुक्ला ने बताया कि मंगलवार को महिलाओं ने हंगामा किया है उन्हें किसी तरह शांत कराया गया है।

विद्यार्थी गणित से घबराएं नहीं इससे बढ़ाएं अपने नंबर

बस्ती। बोर्ड परीक्षा की तैयारी में परीक्षार्थी जुट गए हैं। सर्वाधिक अंक हासिल करने के लिए विद्यार्थी अपने गुरुजनों से टिप्स भी ले रहे हैं। विद्यार्थी किताबों से पढ़ाई और साथ में इंटरनेट का भी सहारा ले रहे हैं। गणित विषय के शिक्षक विद्यार्थियों को घबराने के बजाय सूत्रों को अच्छी तरह समझा रहे हैं। गणित के शिक्षक हेमंत त्रिपाठी ने बताया कि यूपी बोर्ड हाईस्कूल परीक्षा में गणित विषय को लेकर छात्रों में सबसे ज्यादा घबराहट देखने को मिलती है। विद्यार्थी सूत्रों, लंबे सवाल और समय की कमी के चलते बड़ी संख्या में छात्र इस विषय को कठिन मानते हैं। उन्होंने कहा कि इस विषय से घबराएं नहीं, गणित मार्क्स बढ़ाने वाला विषय है। इसमें अहम टॉपिक पर फोकस करें। उन्होंने कहा कि परीक्षा नजदीक आते ही गणित विषय को लेकर छात्रों में तनाव बढ़ जाता है, लेकिन अभ्यास से इस विषय में अच्छे नंबर पाए जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि वास्तविक संख्याएं, बहुपद और दो चर वाले समीकरण जैसे अध्याय आधार मजबूत करते हैं। द्विघात समीकरण और समांतर श्रेणी से सीधे और अंक दिलाने वाले प्रश्न पूछे जाते हैं। इसी तरह त्रिभुज, निदेशांक ज्यामिति और वृत्त से प्रमेय आधारित सवाल हर वर्ष परीक्षा में शामिल रहते हैं। उन्होंने बताया कि ज्यामिति खंड में रचनाएं ऐसा अध्याय हैं, जिससे लगभग तय अंक मिलते हैं, बशर्ते विधि सही हो। क्षेत्रफल व आयतन से सूत्र आधारित प्रश्न आते हैं, जिन्हें अभ्यास से आसानी से हल किया जा सकता है। वहीं, त्रिकोणमिति में ऊंचाई दूरी से जुड़े सवाल महत्वपूर्ण माने जाते हैं। परीक्षा के अंत में आने वाले सांख्यिकी अध्याय सबसे सरल और स्कोरिंग माने जाते हैं। उन्होंने कहा कि छात्र गणित से डरने के बजाय योजनाबद्ध ढंग से महत्वपूर्ण टॉपिक पर फोकस करें। यदि छात्र नियमित अभ्यास बनाए रखें तो गणित परीक्षा में अच्छे अंक लाना बिल्कुल भी मुश्किल नहीं है।

लहिलवारा में आज से होगी गन्ने की तौल

कप्तानगंज। गन्ना क्रय केंद्र पर चार दिन पहले हुए विवाद में सोमवार की शाम को गन्ना किसानों और शुगर मिल के जीएम केन के बीच घंटों चली पंचायत के बाद दोनों पक्ष के बीच समझौता हुआ। इसमें निर्णय हुआ कि मंगलवार की सुबह से लहिलवारा गन्ना क्रय केंद्र पर पुनः गन्ना तौल शुरू होगी। बता दें कि कप्तानगंज थाना क्षेत्र के लहिलवारा गांव में केएम शुगर मिल मसौधा अयोध्या का गन्ना क्रय केंद्र है। 12 दिसंबर की दोपहर में कांटा बाबू से विवाद की सूचना पर मिल के केन मैनेजर अशोक पांडेय भी पहुंचे थे। मामला शांत कराने का प्रयास के बीच मनबढ़ों ने सरकारी रजिस्टर फाड़ते हुए कांटा बाबू और केन मैनेजर की गन्ने से पिटाई करते हाथापाई शुरू कर दी थी। केन मैनेजर ने घटना की तहरीर पुलिस को दी। पुलिस ने तीन लोगों को शांतिभंग में पाबंद करते हुए रविवार की शाम को एफआईआर दर्ज कर लिया था।

वाराणसी से दुर्दांत अपराधी अजय उर्फ विजय गिरफ्तार

वाराणसी। वाराणसी जिले की पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। मंगलवार को दुर्दांत अपराधी अजय उर्फ विजय को पुलिस ने सारनाथ से गिरफ्तार किया है। यूपी व बिहार की पुलिस लंबे समय से उसकी तलाश कर रही थी। वाराणसी कमिश्नरेट की सारनाथ पुलिस ने मंगलवार की सुबह दुर्दांत अपराधी अजय उर्फ विजय को गिरफ्तार किया। हत्या, लूट, फिरौती समेत 15 से ज्यादा मुकदमों में वांछित अपराधी अजय उर्फ विजय की गिरफ्तारी कमिश्नरेट पुलिस के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। इसके खिलाफ लखनऊ,

कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी और चंदौली व गाजीपुर, जौनपुर समेत बिहार में आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार अजय उर्फ विजय ने दो मई वर्ष 2022 को लखनऊ में प्रॉपर्टी डीलर और टीटीई विजयशंकर सिंह को शराब पीने के दौरान हुए विवाद में गोली मार दी गई थी। विजयशंकर ने अजय सिंह सहित छह से ज्यादा लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। आपराधिक रिकॉर्ड अजय उर्फ विजय ने इसके पूर्व 13 सितंबर 2007 में वाराणसी के पांडेयपुर में सरकारी चिकित्सक डॉ. डीपी सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इसमें भी अजय उर्फ विजय सिंह आरोपी बनाया गया। अपराधी ने वर्ष 2012 में गाजीपुर के सैदपुर में सराफा कारोबारी भाईयों को गोली मारकर लाखों की लूट को अंजाम दिया था। उधर, अप्रैल वर्ष 2013 में अजय को वाराणसी की कैंट पुलिस ने 9 एमएम की पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया। कुछ माह बाद ही वह जमानत पर छूट गया था। सितंबर वर्ष 2022 में उसने चंदौली की अदालत में गैंगस्टर के पुराने मामले सरेंडर किया था। उस समय यह एक लाख का इनामी था। उसके बाद यह वाराणसी जिला कारागार में बंद था।

रात को असफल हुए तो भोर में शटर तोड़ चोर ले गए तीन किलो चांदी के गहने

कानपुर। गुजैनी के जरौली फेज-टू में शनिवार देर रात करीब एक बजे ज्वैलरी शॉप का शटर तोड़ने में असफल चोर दोबारा भोर में करीब 3:15 बजे शटर तोड़कर दुकान से करीब तीन किलो चांदी के गहने उड़ा ले गए। चोरों ने तिजोरी भी काटने की कोशिश की लेकिन आहट होने पर भाग निकले। सीसी कैमरे में कैद वारदात में तीन नकाबपोश चोर नजर आए हैं। पीड़ित ने थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। जरौली फेज टू के गोपालपुरम सोसाइटी निवासी गौरव वर्मा ने पुलिस को बताया कि उनकी मोहन धाम सोसाइटी में बाला जी ज्वैलर्स के नाम से दुकान है। शनिवार की रात दुकान बंद कर वह घर चले गए। दुकान में लगे सीसीटीवी के अनुसार देर रात तीन चोर दुकान के बाहर पहुंचे। शटर तोड़ने की कोशिश की लेकिन चहलकदम सुनकर भाग निकले। इसके बाद भोर में करीब 3:15 बजे फिर से दुकान पर आए। इस बार शटर तोड़कर दुकान के अंदर एक नकाबपोश चोर घुसा। उसने अलमारी का लॉक तोड़कर अंदर रखे चांदी के गहने उड़ा दिए। गहनों में पायल, बिछिया, चेन, कड़े, बच्चों के कड़े आदि गहने थे। पीड़ित ने बताया कि सुबह टहलने वाले लोगों की आहट पाकर 3:50 बजे चोर दुकान से बाहर निकल गया। इसके बाद वह साथियों संग पैदल पीपौरी की ओर भाग निकला। सुबह दुकान खोलने पहुंचने तब चोरी का पता चला। मौके पर पहुंची गुजैनी पुलिस ने दुकान पर लगे सीसी कैमरे खंगाले तो पूरी वारदात उसमें कैद मिली। इंस्पेक्टर अमरनाथ विश्वकर्मा ने बताया कि आरोपियों की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही आने जाने के रास्तों का फुटेज देखा जा रहा है।

एक्सप्रेसवे पर कोहरे में पलटी कार चार लोगों की मौत

कानपुर। एक्सप्रेसवे पर भीषण सड़क हादसा हुआ। कार पलटने से उसमें सवार चार लोगों की जान चली गई। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर लखनऊ की तरफ जा रही कार वाहन से टकराने के बाद डिवाइडर में टकराकर पलट गई। हादसे में कार सवार चार लोगों की मौत हो गई। सभी गाजियाबाद के मोदीनगर के रहने वाले थे, एक की पहचान अभी नहीं हो सकी है।

प्रैक्टिस के लिए रोज 15 किमी का सफर तय किया रात में पिता कराते थे बल्लेबाजी अभ्यास

अबू धाबी। हर क्रिकेटर की तरह कार्तिक शर्मा का भी सपना है कि वह एक दिन देश के लिए खेले। इस सपने को पूरा करने के लिए उन्होंने कड़ी मेहनत और अनुशासन को अपना हथियार बनाया है। आईपीएल 2026 की नीलामी में राजस्थान के भरतपुर से निकले 19 वर्षीय कार्तिक शर्मा ने इतिहास रच दिया। चेन्नई सुपर किंग्स (उरङ) ने उन्हें 14.20 करोड़ रुपये में खरीदकर आईपीएल इतिहास का सबसे महंगा अनकैप्ड खिलाड़ी बना दिया। कुछ ही मिनट पहले इसी कीमत पर खरीदे गए प्रशांत वीर की बराबरी करते हुए कार्तिक ने यह साबित कर दिया कि मेहनत और प्रतिभा उम्र नहीं देखती। सिक्स-हिटिंग क्षमता और विकेटकीपिंग स्किल्स के कारण कार्तिक पर कई फ्रेंचाइजियों की नजर थी, लेकिन आखिरी बाजी उरङ ने मारी। ट्रायल से टॉप डील तक कार्तिक शर्मा सिर्फ विस्फोटक बल्लेबाज ही नहीं, बल्कि एक सक्षम विकेटकीपर भी हैं।

सैलानी अब मेले में करेंगे 'रामलला' के दर्शन

■ ग्वालियर

ऐसे लोग जो अयोध्या जाकर 'रामलला' के दर्शन नहीं कर पाए हैं, वे अब मेले में जाकर 'रामलला' दर्शन कर सकेंगे। ग्वालियर व्यापार मेले में झूला सेक्टर के पीछे अयोध्या की तर्ज पर अस्थाई रूप से भगवान राम का मंदिर एक सुंदर झांकी के रूप में बनाया जा रहा है। मेला अवधि के दौरान यहां आने वाले सैलानी 'रामलला' के दर्शन करेंगे। मंदिर बनवाने का काम ग्वालियर के प्रवीण सिंह चौहान द्वारा किया जा रहा है।

श्री चौहान ने बताया कि भगवान राम का मंदिर 75 बाई 50 के साइज में तैयार हो रहा है। मंदिर में अयोध्या की तर्ज पर विराजमान 'रामलला' की प्रतीकात्मक मिट्टी की प्रतिमा को दर्शन हेतु रखा जाएगा। मंदिर में सैलानियों को एक द्वार से प्रवेश देकर दूसरे द्वार से बाहर निकाला जाएगा। मंदिर में हनुमान जी और गणेश जी को भी विराजमान किया जाएगा। भगवान को प्रसाद और पुष्प प्रसाद चढ़ाने की भी व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने बताया कि मेला आरंभ होने के साथ 'रामलला' के दर्शन भी आरंभ हो जाएंगे।

वल्लभभाई पटेल की पुण्यतिथि पर संवाद कार्यक्रम आयोजित

ग्वालियर। सफल युवा मंडल द्वारा सरदार वल्लभभाई पटेल की पुण्यतिथि पर वृद्धजनों के साथ एक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंडल के अध्यक्ष अरविन्द कुशवाह ने कहा कि आज हम लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की पुण्यतिथि मना रहे हैं। उन्होंने सदैव समाज में वृद्धजनों के सम्मान, सुरक्षा एवं उनके अनुभव के महत्व पर बल दिया। इसके पश्चात उपस्थित सभी वृद्धजनों से व्यक्तिगत रूप से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनी गईं। इस मौके पर लक्ष्मण सिंह, रेखा, खुशी, गोलू, दीपेश, चमन, जितेन्द्र एवं योगेश आदि उपस्थित रहे।

दिल्ली-भोपाल रूट की ट्रेनें घंटों लेट, फ्लाइट रद्द होने से यात्रियों की बढ़ी परेशानी

■ ग्वालियर

सर्दी के कारण रेल और हवाई यातायात दोनों ही प्रभावित होने लगी है। यही कारण दिल्ली, भोपाल सहित अन्य बड़े शहरों से आने वाली कई प्रमुख ट्रेनें घंटों की देरी से ग्वालियर रेलवे स्टेशन पहुंचीं, वहीं दिल्ली-ग्वालियर-दिल्ली फ्लाइट रद्द होने से हवाई यात्रियों की मुश्किलें और बढ़ गईं। दिल्ली से ग्वालियर आने वाली प्रमुख ट्रेनों में शताब्दी एक्सप्रेस लगभग 3 घंटे, पंजाब मेल 3 घंटे 10 मिनट, मंगला एक्सप्रेस 2 घंटे, गतिमान एक्सप्रेस 3 घंटे, ताज एक्सप्रेस 3 घंटे 10 मिनट तथा स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस करीब 2 घंटे 30 मिनट की देरी से स्टेशन पर पहुंची। इसके अलावा मुंबई से आने वाली मुंबई राजधानी लगभग 2 घंटे और चेन्नई राजधानी 1 घंटे 45 मिनट की देरी से आई। लगातार ट्रेनों के विलंब के कारण स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ बढ़ती गई और प्लेटफॉर्म पर अव्यवस्था की स्थिति बनी रही। ट्रेनें समय पर नहीं पहुंचने से यात्रियों को घंटों प्लेटफॉर्म पर इंतजार करना पड़ा। बच्चों, बुजुर्गों और महिला यात्रियों को विशेष परेशानी का सामना करना पड़ा। इधर मौसम खराब होने के कारण दिल्ली-ग्वालियर-दिल्ली फ्लाइट को सोमवार को रद्द कर दिया गया। फ्लाइट निरस्त होने से दिल्ली जाने वाले यात्रियों को खासा परेशान होना पड़ा। कई यात्रियों ने मजबूरी में आनन-फानन में ट्रेन अथवा सड़क मार्ग से यात्रा करने का निर्णय लिया।

कथा श्रवण से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है: शिवम

■ ग्वालियर

कथा श्रवण से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इसे सुनने से मन शांत होता है और नकारात्मकता दूर होती है। भक्तों को जीवन में अच्छे कर्म करने और सही संगत में रहने की प्रेरणा मिलती है, जिससे उनका उद्धार होता है। यह विचार शिवपुरी लिंक रोड स्थित ग्रीन साउथ एवेन्यू में सोमवार को धर्मसभा को संबोधित करते हुए शिवम महाराज ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि यह कथा आध्यात्मिक विकास करती है। जन्म-जन्मांतर के दोषों को मिटाती है और मनुष्य को लौकिक व आध्यात्मिक रूप से मजबूत बनाती है।

द्वारिकाधीश मंदिर पर भागवत कथा आज से, निकलेगी कलश यात्रा

द्वारिकाधीश मंदिर पर श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन 16 दिसंबर मंगलवार से किया जाएगा। इसकी कलश यात्रा मंगलवार को गोपाल मंदिर थाटीपुर से सुबह 11 बजे शुरू होगी। कलश यात्रा में 101 महिलाएं कलश धारण कर चलेंगी। कथा वाचक डॉ. रामकृपाल त्रिपाठी वृंदावन धाम होंगे जो प्रतिदिन दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक कथा श्रवण कराएंगे। कथा के दौरान प्रतिदिन अन्नपूर्णा सेवा समिति और आशिमा हॉस्पिटल की और से निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जाएगा। जिसमें डायबिटीज और बीपी की जांच एवं सामान्य रोगियों का परीक्षण किया जाएगा।

100 रिश्ते तय करने का संकल्प लिया

सकल ब्राह्मण महासमिति ग्वालियर द्वारा 17वां सकल ब्राह्मण विवाह योग्य युवक युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन आगामी 1 फरवरी को चेम्बर भवन में किया जाएगा। इस संबंध में सोमवार को महासमिति द्वारा एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें संकल्प लिया गया कि इस सम्मेलन के लिए 100 रिश्ते तय किए जाएंगे।

24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ आज से

गायत्री शक्तिपीठ गायत्री नगर तानसेन रोड एवं गायत्री परिवार रचनात्मक ट्रस्ट के तत्वावधान में जागृति महिला मंडल द्वारा 16 से 19 दिसंबर तक जीवायएमसी मैदान में 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ एवं प्रज्ञा पुराण कथा का आयोजन होने जा रहा है। प्रज्ञा पुराण कथा की कलश यात्रा प्रातः 10 बजे से डीएव्ही स्कूल से प्रारंभ होगी। यह कलश यात्रा नया बाजार, लोहिया बाजार एवं दाल बाजार होते हुए यज्ञ स्थल पर दोपहर 12 बजे पहुंचेगी। दोपहर 2 बजे से प्रज्ञा पुराण कथा का वाचन होगा। इसका वाचन शांतिकुंज से आने वाली पांच बहनों की टोली करेगी।

स्वर्ण और रजत कलशों में जल भरकर महामस्तकाभिषेक किया

जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ एवं 8वें तीर्थंकर श्री चंद्रप्रभु भगवान का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव मुनिश्री विनय सागर महाराज के सानिध्य में सोमवार को उरवाई गेट स्थित श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र त्रिशालगिरी और कोटेश्वर रोड स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ अतिशय जैन मंदिर में जैन समाज लोगों ने भक्ति भाव से मनाया गया। इस मौके पर समाज के सैकड़ों लोगों ने पीले वस्त्र पहनकर स्वर्ण और रजत कलशों में जल भरकर महामस्तकाभिषेक किया। वही मुनि विनय सागर महाराज ने मंत्रों से वृहद शांतिधारा कराई। मुनिश्री विनय सागर महाराज के चरणों श्री फल पवन जैन, अक्षय दानी, जितेंद्र जैन और रविन्द्र जैन ने अर्पित किया। इस मौके पर पालकी यात्रा भी निकाली गई।

जब तक वेदों का अध्ययन नहीं, तब तक सत्य की पूर्ण समझ संभव नहीं: स्वामी हरिब्रह्मोंन्द्रनंद

■ ग्वालियर

विवेकानंद नीडम ग्वालियर परिसर में तीन दिवसीय 'उपनिषद स्वाध्याय' का आयोजन किया जा रहा है। प्रथम दिन का विषय दर्शन/वेदांत रहा। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता आद्य शंकर ब्रह्म विद्यापीठ उत्तरकाशी के स्वामी हरिब्रह्मोंन्द्रनंद महाराज एवं मुख्य अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर रहे।

प्रथम सत्र को संबोधित करते हुए स्वामी जी ने कहा कि उपनिषदों को ही वेदांत कहा जाता है। वेद चार हैं, उनकी शाखाओं के अंत में जो ज्ञान प्राप्त होता है, वही वेदांत है। वेदों में आध्यात्मिक चिंतन का उच्च स्वरूप मिलता है। जब तक वेदों का अध्ययन नहीं होता, तब तक आध्यात्मिक सत्य की पूर्ण समझ संभव नहीं। स्वामी जी ने कहा कि जब हम समाज के धर्म को जानते हैं, तो एक समाज की दृष्टि दूसरे समाज से भिन्न हो जाती है, इसलिए उनके धर्म-तंत्र भी अलग-अलग होते हैं। आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टि में भी धर्म का स्थान स्वीकार किया गया है। स्वामी जी ने कहा कि श्रीमद् भागवत गीता हिंदू धर्म के सारे दर्शन को एक समन्वित ग्रंथ के रूप में प्रस्तुत करती है। कहा गया है कि आत्मिक धार्मिक चेतना हो तो समाज का कल्याण संभव है। स्वामी जी ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने अधिकारों का ज्ञान होना चाहिए। केवल अधिकार नहीं, समाज के प्रति कर्तव्य भी समझने चाहिए। वही सच्चा धर्म होता है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोहन नागर ने कहा कि वेदों का अध्ययन व्यक्ति को सदाचार, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा की ओर प्रेरित करता है। विवाह जैसे संस्कारों में वेद-मंत्रों की उपस्थिति उनके सामाजिक और नैतिक महत्व को दर्शाती है। गुरु-शिष्य परंपरा की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञानदाता नहीं, बल्कि अपने आचरण से समाज को दिशा देने वाले मार्गदर्शक होते हैं। एक श्रेष्ठ गुरु अपने जीवन से आदर्श प्रस्तुत करता है। संचालन सरोज अग्रवाल ने किया।

राष्ट्रीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता के लिए रामश्री स्कूल गर्व चयनित

■ ग्वालियर

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आगामी 23 से 28 दिसंबर तक जबलपुर में आयोजित होने वाली 69वीं राष्ट्रीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता के लिए रामश्री इंटरनेशनल स्कूल के गर्व शाही का चयन मध्यप्रदेश की टीम में चयन किया गया है। यह जानकारी स्कूल के बास्केटबॉल के कोच रूप सिंह परिहार ने दी। उन्होंने बताया कि गर्व शाही का चयन विगत दिनों जबलपुर में आयोजित की गई राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में किए गए प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। उक्त प्रतियोगिता में ग्वालियर संभाग की टीम दूसरे स्थान पर रही थी। गर्व शाही के चयन पर स्कूल के डायरेक्टर विजय गुप्ता, प्राचार्य अश्वनी तंबाट, खेल अधिकारी नितिन कपिल, कॉर्डिनेटर सत्यनारायण साहू आदि ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य कामना की है।

रक्षा मोरयानी अन्नपूर्णा अवार्ड से सम्मानित

ग्वालियर। लखनऊ में गत दिवस अन्नपूर्णा अवार्ड कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें ग्वालियर की होम शेफ रक्षा मोरयानी को अन्नपूर्णा अवार्ड से सम्मानित किया गया।

सीएमएचओ के निर्देश के चार दिन बाद भी नहीं हुए अटैचमेंट खत्म

■ ग्वालियर

जिले में आउटसोर्स कर्मचारियों की मनमानी और अटैचमेंट व्यवस्था पर लगाम कसने के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. सचिन श्रीवास्तव द्वारा जारी किए गए सख्त निर्देश फिलहाल कागजों तक ही सीमित नजर आ रहे हैं। आदेश जारी होने के चार दिन बाद भी अधिकांश आउटसोर्स कर्मचारी अपनी मूल पदस्थापना स्थल पर वापस नहीं पहुंचे हैं। जानकारी के अनुसार सीएमएचओ डॉ. श्रीवास्तव ने 11 दिसंबर को एक आदेश जारी करते हुए कहा था कि आउटसोर्स एजेंसी या कार्यालय द्वारा समय-समय पर जारी किए गए सभी पदस्थापन संशोधन आदेश तत्काल प्रभाव से निरस्त माने जाएंगे। आदेश में यह भी साफ किया गया था कि अब प्रत्येक आउटसोर्स कर्मचारी को उसी मूल स्वास्थ्य संस्था में कार्य करना होगा, जहां उसकी प्रारंभिक नियुक्ति हुई थी। इसके साथ ही चेतावनी दी गई थी कि यदि कोई कर्मचारी आदेशित संस्था के अलावा किसी अन्य स्थान पर कार्य करता पाया गया, तो संबंधित आउटसोर्स एजेंसी को उसकी नियुक्ति तत्काल निरस्त करनी होगी।

सीएमएचओ के आदेश के अगले ही दिन संबंधित आउटसोर्स एजेंसी शर्मा सिक्योरिटी द्वारा सभी स्वास्थ्य संस्थाओं को पत्र जारी कर तीन दिन के भीतर कर्मचारियों को अपनी मूल पदस्थापना स्थल पर उपस्थित होने और एजेंसी को इसकी सूचना देने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद चार दिन बीत जाने के बाद भी जमीनी स्तर पर कोई खास बदलाव नजर नहीं आ रहा है। हैरानी की बात यह है कि खुद सीएमएचओ कार्यालय में ही अब भी सात से आठ आउटसोर्स कर्मचारी कार्यरत बताए जा रहे हैं, जबकि उनका मूल पदस्थापन कहीं और का है। वहीं कई कर्मचारियों को लेकर जनप्रतिनिधियों के फोन सीएमएचओ कार्यालय तक पहुंचने लगे हैं, जिससे आदेश के क्रियान्वयन पर दबाव बनने की भी चर्चा है। उल्लेखनीय है कि जिले की विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं में करीब 250 से अधिक कर्मचारी आउटसोर्स एजेंसियों के माध्यम से मल्टी स्किल्ड, डाटा एंट्री ऑपरेटर और अन्य पदों पर पदस्थ हैं।

'शिक्षा के साथ अध्यात्म आवश्यक है'

■ ग्वालियर

मध्य भारत शिक्षा समिति ग्वालियर द्वारा पार्वती खेल अकादमी जीवाजीगंज के सभागार में 'मानव निर्माण और शिक्षा' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता आद्य शंकर ब्रह्म विद्यापीठ उत्तरकाशी के स्वामी हरिब्रह्मोंन्द्रनंद महाराज थे। अध्यक्षता जीवाजी विश्व विद्यालय के कुलगुरु डॉ. राजकुमार आचार्य ने की। अतिथियों का स्वागत मध्य भारत शिक्षा समिति के अध्यक्ष प्रो. राजेन्द्र बांदिल एवं सचिव प्रो. राजेन्द्र वैद्य ने किया। विषय की विशद व्याख्या करते हुए स्वामी हरिब्रह्मोंन्द्रनंद महाराज ने कहा कि शिक्षा के साथ आध्यात्म आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आध्यात्म अर्थात आत्मा या परमात्मा संबंधी, हर जीव में आत्मा है। जिस प्रकार अध्ययन के लिए अपनी रूचि का विषय चुनते हैं लेकिन आध्यात्म को चुनना नहीं है, वह हमारे साथ ही है। उन्होंने कहा कि सामाजिक ज्ञान की पूर्णिता के लिए धर्म का ज्ञान आवश्यक है। ध्यान, प्रार्थना आदि आत्म संबंधी ज्ञान हेतु है। स्वार्थ बुद्धि से कार्य करने पर आत्म विकास संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि नैतिक ज्ञान वाला ही सही कार्य कर सकता है। अतः शिक्षा में धार्मिकता होनी चाहिए। कुलगुरु ने कहा कि धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष के द्वारा ही हम विभिन्न प्रकार की बुराईयों से बच सकते हैं। संचालन अर्चना शर्मा और आभार प्रभात फाटक ने व्यक्त किया। इस अवसर पर समिति के कोषाध्यक्ष वृन्दावन लुडेले, प्रशासनिक अधिकारी प्रदीप वाजपेयी, पार्वती खेल अकादमी के किरण कल्याणकर सहित समिति के विभिन्न पदाधिकारी तथा मध्य भारत शिक्षा समिति द्वारा संचालित महाविद्यालयों एवं विद्यालयों के प्राचार्य, बड़ी संख्या में विद्यार्थी और खेल अकादमी के शिक्षक आदि उपस्थित रहे।

कराटे चैंपियनशिप में 150 खिलाड़ियों ने भाग लिया

■ ग्वालियर

पांचवी जेके एसआई मध्यप्रदेश राज्य कराटे चैंपियनशिप 2025 का आयोजन नोबल माइंड्स इंटरनेशनल स्कूल भदौली में किया गया। इसमें 150 खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने कराटे के विभिन्न वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यालय स्तर पर हुए परिणामों में नोबल माइंड्स इंटरनेशनल स्कूल ने प्रथम स्थान, आरएस कॉन्वेंट स्कूल ने द्वितीय स्थान तथा बाल भवन 2 स्कूल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप में गजेंद्र सिंह तोमर, ब्रह्माकुमारीज के मोटिवेशनल स्पीकर बीके प्रहलाद भाई, मुलायम सिंह यादव, सुनील कुमार और सूरज राठौड़ मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

हार्टफुलनेस के सहयोग से बीआईएमआर में मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम

ग्वालियर। बीआईएमआर कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज एवं बीआईएमआर नर्सिंग कॉलेज द्वारा स्वयंसेवी संस्था हार्टफुलनेस के सहयोग से मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हार्टफुलनेस से जुड़ी मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. बिंदु सिंघल ने अपने सहयोगियों श्रीमती बिंदु कुमारी, महेंद्र एवं उच्च न्यायालय के अधिवक्ता अंकुर गुप्ता के साथ सहभागिता की। वक्ताओं ने मानसिक तनाव को नियंत्रित करने, भावनात्मक संतुलन बनाए रखने तथा सकारात्मक सोच और ध्यान के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने के व्यावहारिक उपाय बताए। सभी सत्र संवादात्मक एवं ज्ञानवर्धक रहे, जिनसे विद्यार्थियों और फैकल्टी सदस्यों को शैक्षणिक एवं व्यावसायिक तनाव से निपटने का मार्गदर्शन मिला। वक्ताओं ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही आवश्यक है।

ईएनटी विभाग में बढ़े कान के पर्दे फटने के मामले

लंबे समय तक जुकाम बना कानों के लिए खतरा

■ ग्वालियर

सर्दी के मौसम में होने वाला सामान्य जुकाम अब गंभीर समस्या का रूप लेता जा रहा है। यदि जुकाम एक सप्ताह या उससे अधिक समय तक बना रहे और उसका सही इलाज न कराया जाए, तो यह कानों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय और जिला अस्पताल के ईएनटी विभाग में आने वाले करीब 70 फीसदी मरीज ऐसे हैं, जिनके कान के पर्दे जुकाम के कारण क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। कई मामलों में कान के पर्दे फटने के साथ मवाद बनने और सुनने की क्षमता प्रभावित होने की शिकायत सामने आ रही है।

ईएनटी विशेषज्ञों के अनुसार सर्दी-जुकाम को सामान्य समझकर नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। लंबे समय तक जुकाम रहने से नाक और गले के पीछे स्थित यूस्टेकियन ट्यूब में संक्रमण हो जाता है।

यह ट्यूब कान और नाक के बीच संतुलन बनाए रखने का कार्य करती है। संक्रमण और सूजन बढ़ने पर यह सीधा असर कान के मध्य भाग पर डालता है, जिससे कान के पर्दे पर दबाव पड़ता है और उसमें छेद हो सकता है। चिकित्सकों की सलाह है कि लंबे समय तक जुकाम या सर्दी की स्थिति में स्वयं दवा लेने से बचें और तुरंत विशेषज्ञ से परामर्श लें। समय पर इलाज से कान के पर्दे को होने वाले स्थायी नुकसान से बचाया जा सकता है।

अधिकांश मरीजों को कई दिनों से सर्दी-जुकाम

जिला अस्पताल के नाक, कान एवं गला रोग विशेषज्ञ डॉ. अमित रघुवंशी के अनुसार ठंड के मौसम में इस प्रकार के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ी है। जांच के दौरान यह सामने आया है कि अधिकांश मरीजों को कई दिनों से सर्दी-जुकाम था। उन्होंने स्थानीय स्तर पर दवाएं लीं, लेकिन पूरी तरह ठीक नहीं हुए। इसी बीच कान भारी लगने, कम सुनाई देने और बाद में कान से मवाद आने की समस्या शुरू हो गई। जांच में पाया गया कि संक्रमण बढ़कर कान के पर्दे तक पहुंच गया और पर्दे में छेद हो गया।

मामूली समस्या समझकर हल्के में न लें

डॉ. रघुवंशी के अनुसार शुरुआत में जब कान के पर्दे में छोटा छेद होता है, तो दर्द कम महसूस होता है। इसी कारण मरीज इसे मामूली समझकर टाल देते हैं। लेकिन समय के साथ संक्रमण बढ़ता है, छेद बड़ा हो जाता है और दर्द असहनीय होने लगता है। कुछ मामलों में कान से खून आने की भी शिकायत देखी जा रही है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि कान से पानी या मवाद आना, कम सुनाई देना या भारीपन महसूस होना गंभीर संकेत हो सकते हैं।

कान के पर्दे खराब होने के प्रमुख लक्षण

- कान के भीतर हवा या खालीपन महसूस होना।
- सुनने की क्षमता में कमी आना।
- कान में लगातार या तेज दर्द रहना।
- छींकते या खांसते समय सीटी जैसी आवाज सुनाई देना।
- कान से मवाद या खून का रिसाव होना।

छात्र कमरे में फंदा लगाकर लटका

लखनऊ,। राजधानी लखनऊ में 9वीं के छात्र ने सुसाइड कर लिया। परिजनों के अनुसार उसे टेस्ट में कम नंबर मिले समझाया था कि मोबाइल मत चलाया करो। उसके बाद मोबाइल फोन देने से भी मना कर दिया। इसी से वह आहत हो गया था। सुबह उसे स्कूल के लिए जगाने गए तो देखा कि कमरे में फंदे पर बॉडी लटक रही है। घटना जानकीपुरम सेक्टर-सी की है। यहां आर्यन जायसवाल (16) अपने माता-पिता के साथ रहता है। वह प्राइवेट स्कूल में 9वीं का छात्र था। पिता महेंद्र जायसवाल ने पुलिस को बताया कि कल रात खाना खाने के बाद वह हमेशा की तरह ऊपर कमरे में सोने के लिए गया था। सुबह जब स्कूल जाने के लिए उसको उठाने पहुंचे तो उसे फंदे से लटके देखा। अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसको मृत घोषित कर दिया। आर्यन को टेस्ट में कम नंबर आए थे जिससे परिजनों ने उसे समझाया कि मोबाइल चलाना बंद कर दो। पढ़ाई पर ध्यान दो। पुलिस दूसरे एंगल पर भी जांच कर रही है।

संपादकीय

सिडनी में खूनी खेल

सिडनी में यहूदियों को निशाना बनाये जाने की घटना ने पहलगाम आतंकी हमले के जख्मों को हरा कर दिया। पहलगाम में भी आर्तकियों ने लोगों को चुन-चुनकर मारा था। सिडनी के बॉन्डी बीच पर यहूदी समुदाय की सभा पर हुआ हमला हमें इस क्रूरता की याद दिलाता है कि आतंकवादी आम जीवन के केंद्र में, प्रार्थना स्थलों और सुकून देने वाले स्थलों को ही अपना निशाना बनाते हैं। यह हिंसा उस हनुक्का उत्सव के दौरान की गई, जो अंधकार के साम्राज्य को प्रकाश से पराजित करने का संकल्प दशार्ता है। इस मायने में यह हमला क्रूरता की हद दशार्ता है। दरअसल, आस्ट्रेलिया लंबे समय से इस विश्वास के चलते शांति का अहसास करता रहा है कि तमाम वैश्विक संघर्षों से बनायी गई उसकी दूरी, उसे सुरक्षा प्रदान करती है। लेकिन इस घटना के बाद उसका भ्रम टूटा है। अब जाकर उसे यह अहसास हुआ है कि आतंकवादी अपने घातक मसूंबों को अंजाम देने के लिये हमारे ऐसे ही विश्वासों को तोड़कर हमले करते हैं। बॉन्डी के हमले ने न केवल आस्ट्रेलिया के भ्रम को तोड़ा है बल्कि उसे अपनी सुरक्षा नीतियों में बदलाव को बाध्य किया है। जैसा कि अपरिहार्य है, आस्ट्रेलिया के अधिकारियों ने हमले को एक वैश्विक आतंकवाद के रूप में वगीर्कृत किया है। खासकर हिंसा के तौर-तरीके और वैचारिक मकसद को ध्यान में रखते हुए। यह वर्गीकरण इस बात को भी स्वीकार करता है कि हमला नफरत से प्रेरित हिंसा के एक व्यापक पैटर्न का हिस्सा था,जो दुनिया के तमाम देशों में देखा जा रहा है। इस आतंकी घटना के बाद यहूदी समुदाय में दुख के साथ-साथ आक्रोश भी उमड़ रहा है। खासकर इस बात को लेकर कि यहूदी समुदाय द्वारा लंबे समय से दी जा रही चेतावनी के बावजूद आस्ट्रेलिया में यहूदी विरोधी रवैये को गंभीरता से नहीं लिया गया। इस प्रवृत्ति पर पहले से ही सतर्क निगरानी रखी गई होती तो शायद बॉन्डी के हमले को टाला जा सकता। निस्संदेह, आस्ट्रेलिया में गाजा युद्ध शुरू होने के बाद से ही इस मुद्दे पर सार्वजनिक बहस तीखी और ध्रुवीकृत हो चली थी। हालांकि, यहां हुए अधिकांश विरोध प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे हैं, लेकिन चरमपंथी विचारधारा का पोषण करने वाले मुट्ठीभर लोग भी घातक घटनाओं को अंजाम दे सकते हैं। यह हमला ऐसे मंसूबों की रोकथाम की सीमाओं को भी उजागर करता है। निस्संदेह, सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता से आंतकी नेटवर्क की निगरानी समय रहते की जा सकती है। वे सही वक्त पर ही न केवल आने वाले खतरों का आकलन कर सकती हैं बल्कि साजिशों को नाकाम भी कर सकती हैं। लेकिन एक विसंगति यह भी है कि सार्वजनिक स्थानों पर अकेले हमले करने वालों को रोकना कुछ कठिन जरूर होता है। जैसे कि इस मामले में देखने में आया है। फिर भी, इस भयावह घटना के बीच एक साहस देखने को भी मिला। एक बहादुर राहगीर ने एक हमलावर को निहत्था करने के लिये अपनी जान भी जोखिम में डाली। हालांकि, वह इस प्रयास में घायल हुआ, लेकिन वह कई लोगों की जान बचाने में कामयाब हुआ। पूरी दुनिया में उसके साहस के लिये प्रशंसा हो रही है। संकट की घड़ी में ऐसा साहस आतंकवादियों की कायरता पर करारा प्रहार होता है और इससे आतंकवादियों के मंसूबे धरे रह जाते हैं। यह घटना हमें यह याद दिलाती है कि घोर अंधकार के क्षणों में भी मानवता का अंत नहीं होता। निश्चित रूप से इस घटना के बाद आस्ट्रेलिया को सुनिश्चित करना चाहिए कि उसके यहां रह रहे संवेदनशील समुदायों के लिये मजबूत सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही समय रहते समाज में घृणा को बढ़ाने वाले अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। ऐसे वक्त में जब हमास व इस्राइल के संघर्ष के बाद पूरी दुनिया में यहूदी विरोधी माहौल बनाया जा रहा है, तो इसके खिलाफ वैश्विक स्तर पर साझा लड़ाई लड़ने की जरूरत है। विश्व समुदाय को किसी धर्म या संप्रदाय के खिलाफ होने वाली आतंकी घटनाओं का मुकाबला मिलकर करने की जरूरत है। अन्यथा कट्टरपंथी तत्वों के हौसले बुलंद होते रहेंगे। इसके अलावा आतंकी संगठनों को आर्थिक मदद, समर्थन व अन्य सहयोग देने वाले देशों पर भी शिकंजा कसने की जरूरत है।

आस्ट्रेलिया पर आतंकी हमला

> पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि गोलीबारी के बाद पास की एक सड़क पर एक कार से कई इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस यानि विस्फोटक बरामद किए गए, यानी हमले की साजिश इससे कहीं ज्यादा तबाही फैलाने और ज्यादा से ज्यादा लोगों को मारने की थी। गनीमत यह रही कि आतंकियों का मंसूबा पूरा नहीं हुआ। एक आतंकी तो पुलिस की गोली से घटनास्थल पर ही मारा गया, जबकि दूसरा अभी घायल है। पुलिस के मुताबिक दोनों आतंकी बाप-बेटे थे। उनके नाम साजिद और नवीद अकरम बताए गए हैं। खबर है कि मूल रूप से ये दोनों पाकिस्तान के थे। भारत के बाद अब आस्ट्रेलिया हमले में भी पाकिस्तान का नाम आने के बाद शाहबाज शरीफ सरकार और सैन्य प्रमुख असीम मुनीर की चुनौतियां बढ़ने वाली हैं, क्योंकि अब इस घटनाक्रम में ऑस्ट्रेलिया के साथ-साथ इजरायल भी जुड़ा ही हुआ है।

आस्ट्रेलिया में हुए भयावह आतंकी हमले से एक बार फिर दुनिया सन्न रह गई है। सिडनी के बोंडी बीच पर रविवार को यहूदी पर्व हनुक्का के दौरान दो आर्तकियों ने अंधाधुंध गोलियां बरसाईं, जिसमें कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक 10 साल की बच्ची भी शामिल है, वहीं करीब 50 लोग घायल हुए हैं। दोनों आतंकी जिस तरह खुशियां मनाते लोगों पर बेरहमी से गोलियां चलाने लगे, उसने पहलगाम आतंकी हमले की खौफनाक याद दिला दी। बोंडी बीच पर दोनों आतंकियों के गोलियां बरसाते वीडियो सामने आए हैं। जिस अंदाज से उन्होंने इस हमले को अंजाम दिया है, उससे अनुमान लगता है कि उनके पास न केवल अत्याधुनिक हथियार थे, बल्कि उन्हें चलाने का बाकायदा प्रशिक्षण भी उन्हें मिला है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि गोलीबारी के बाद पास की एक सड़क पर एक कार से कई इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस यानि विस्फोटक बरामद किए गए, यानी हमले की साजिश इससे कहीं ज्यादा तबाही फैलाने और ज्यादा से ज्यादा लोगों को मारने की थी। गनीमत यह रही कि आर्तकियों का मंसूबा पूरा नहीं हुआ। एक आतंकी तो पुलिस की गोली से घटनास्थल पर ही मारा गया, जबकि दूसरा अभी घायल है। पुलिस के मुताबिक दोनों आतंकी बाप-बेटे थे। उनके नाम साजिद और नवीद अकरम बताए गए हैं। खबर है कि मूल रूप से ये दोनों पाकिस्तान के थे। भारत के बाद अब आस्ट्रेलिया हमले में भी पाकिस्तान का नाम आने के बाद शाहबाज शरीफ सरकार और सैन्य प्रमुख असीम मुनीर की चुनौतियां बढ़ने वाली हैं, क्योंकि अब इस घटनाक्रम में ऑस्ट्रेलिया के साथ-साथ इजरायल भी जुड़ चुका है, यानी परोक्ष तौर पर अमेरिका भी जुड़ा ही हुआ है। यह हमला यहूदियों पर हुआ है, इसलिए इजरायल की स्वाभाविक तौर पर तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने इसे यहूदी समुदाय को निशाना बनाकर किया गया आतंकवादी हमला करार दिया है, यानी आस्ट्रेलिया में यहूदी विरोधी माहौल बन रहा है, इसे सरकार ने भी मान लिया है। बता दें कि बोंडी बीच इलाका, ऑस्ट्रेलिया के सबसे बड़े यहूदी आबादी वाले क्षेत्रों में से एक है, जहां करीब 40,000 यहूदी रहते हैं। हनुक्का उत्सव के पहले दिन आयोजित इस समुद्र-तटीय कार्यक्रम में करीब 1,000 लोग मौजूद थे। यानी आतंकी जानते थे कि किस वक्त हमला करके सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया जा सकता है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को इस हमले के बाद फिलीस्तीन में किए जा रहे अपने आक्रमण को न्यायोचित ठहराने का मौका मिल गया है। हालांकि नेतन्याहू इस तथ्य को अनदेखा कर रहे हैं कि गजा में मासूमों की जान लेने की कीमत दुनिया भर में उन यहूदियों को चुकानी पड़ रही है, जो शांति से अपना जीवन गुजार रहे हैं। दुनिया के कई देशों में यहूदियों और मुस्लिमों के बीच संदेह बढ़ने का माहौल बन रहा है। लेकिन ये संदेह इस तरह आतंकी हमले की शक्ल में मासूमों की जान लेगा, यह अनुमान नहीं था। नेतन्याहू ने इस हमले पर अब ऑस्ट्रेलिया की सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि ऑस्ट्रेलिया की नीतियां

यहूदी-विरोधी आग में घी डालनेश का काम कर रही हैं। नेतन्याहू ने कहा, यहूदी-विरोध एक कैंसर है, जो तब फैलता है जब नेता चुप रहते हैं। कुछ महीने पहले मैंने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री को एक पत्र लिखा था कि उनकी नीति, यहूदी-विरोधी आग में घी डालती है, यह आपकी सड़कों पर यहूदियों के प्रति नफरत को बढ़ावा देती है। यहूदी-विरोधियों के खिलाफ मौजूदा कमजोर रुख के बजाय उनसे ताकत से निपटना होगा। आज ऑस्ट्रेलिया में ऐसा नहीं हुआ। इसी तरह इजरायल के राष्ट्रपति इसाक हरजोग ने इस हमले को शर्मनाक बताते हुए कहा, शर्मने बार-बार ऑस्ट्रेलियाई सरकार से कार्रवाई करने और ऑस्ट्रेलियाई समाज को जकड़ रही यहूदी-विरोधी भावना की लहर से लड़ने की अपील की है।श बता दें कि बीते एक साल में ऑस्ट्रेलिया में 1,600 से ज्यादा यहूदी-विरोधी घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें दर्जनों हमले और तोड़फोड़ की घटनाएं, और सैकड़ों अन्य अपमानजनक या धमकी भरे मामले शामिल हैं। अगर ऑस्ट्रेलिया सरकार ने विरोध की इस बढ़ती प्रवृत्ति पर गौर किया होता तो शायद कई मासूम जानें बच सकती थीं। ऑस्ट्रेलिया पर आतंकी हमले के बाद फिर से इस्लामिक आतंकवाद की चर्चा शुरू हो गई है। जो सिरे से गलत है। आतंकवाद को जब तक धर्म के चश्मे से देखा जाता रहेगा, उसकी जड़ तक पहुंचना संभव नहीं होगा। इस हमले पर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने कड़ी निंदा करते हुए कहा कि वह शिह्ंसा और आतंकवाद के सभी रूपोंश को खारिज करता है। वहीं मुस्लिम वर्ल्ड लीग ने भी सिडनी में हुए इस हमले की निंदा की है। इस्लामी संगठन ने कहा कि मुस्लिम लोग श्आतंकवाद और हिंसा के सभी रूपों को खारिज करते हैं। सिडनी हमले के आतंकवादियों की पहचान मुसलमान के तौर पर करने वाले यह भी देखें कि इसी हमले में अपनी जान की बाजी लगाकर एक और मुसलमान ने कई लोगों की जान भी बचाई है। जिस समय आतंकवादी गोलियां चलाए जा रहे थे, उस समय 43 साल के अहमद अल अहमद ने एक आतंकी को पीछे से पकड़कर उससे बंदूक छीन ली। इस घटना का वीडियो सामने आया है, जिसमें दिख रहा है कि एक पेड़ के नीचे खड़े होकर एक आतंकी गोलियां चला रहा था, उस समय कारों के पीछे से निकल कर अहमद बंदूकधारी की ओर दौड़ते हैं, उससे हथियार छीन लेते हैं और फिर बंदूक उसकी तरफ घुमा देते हैं, जिससे हमलावर पीछे हटने पर मजबूर हो जाता है। वह पुल की तरफ बढ़ता है, इसके बाद अहमद बंदूक नीचे कर देते हैं और अपना एक हाथ हवा में उठा कर हिलाते हैं, मानो पुलिस को संदेश दे रहे हों कि वह पुलिस को दिखाना चाहते हैं कि वह हमलावरों में से नहीं हैं। कोई फिल्मी दृश्य होता तो अहमद हमलावर से छीनी हुई बंदूक से ही उसे मार देते, लेकिन आम इंसान के लिए इस तरह किसी की जान लेना संभव नहीं होता है। अहमद ने दिलेरी दिखाते हुए बंदूक छीनी और आतंकी को पीछेहटने पर मजबूर किया, इस तरह उन्होंने बहुत से लोगों की जान बचा ली। हालांकि बाद में वही हमलावर पुल पर एक और हथियार उठाते हुए और दोबारा फायरिंग करते हुए दिखाई देता है, उसका साथी भी उसी समय फायरिंग करता है। इस घटना में अहमद को भी हाथ में दो जगह गोलियां लगी हैं और अभी उनका इलाज चल रहा है। अहमद दो बच्चों के पिता हैं और वो एक फल की दुकान चलाते हैं। उनकी बहादुरी की दुनिया भर में सराहना हो रही है। डोनाल्ड ट्रंप ने भी उन्हें असली हीरो बताया है। अहमद ने जिस तरह आतंकी से बंदूक छीनी, उससे मुंबई हमले में अजमल कसाब को जिंदा पकड़ने वाले पुलिसकर्मी तुकाराम ओंबले की याद ताजा हो गई। जिन्होंने कसाब को पकड़ा, लेकिन खुद शहीद हो गए।

एक राजनीतिक दोराहे पर आकर खड़े हो गए हैं थरूर

> शहर के 101 वार्डों में से भाजपा ने 50 पर जीत हासिल की- पूर्ण बहुमत से सिर्फ एक सीट कम। हालांकि, भाजपा की यह जीत शशि थरूर के लिए खुशी की वजह बनने की संभावना कम ही है। उलटे, आने वाले महीनों में स्थानीय राजनीतिक समीकरणों में वे खुद को हाशिए पर पा सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र में अपने उच्च पद से इस्तीफा देने के बाद जिस कांग्रेस ने उनके राजनीतिक करियर को गढ़ा और संवारा, उसी के खिलाफ उनके बयानों, हाल के महीनों में प्रधानमंत्री की खुलकर की गई प्रशंसा और फिर पुतिन के सम्मान में राष्ट्रपति भवन में आयोजित भोज में शामिल होने ने उन्हें अपनी ही पार्टी में अविश्वसनीय बना दिया है। अब जब उनके अपने निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा का सितारा उभार पर है, तो क्या थरूर यह उम्मीद कर सकते हैं कि पिछले कई महीनों से भाजपा से मेलजोल बढ़ाने का उन्हें कोई राजनीतिक लाभ मिलेगा? त्रिवेंद्रम में अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए थरूर को चंद्रशेखरन जैसी मजबूत शख्सियत से मुकाबला करना पड़ेगा। नगरीय निकाय चुनावों में पार्टी के चौंकाने वाले प्रदर्शन को भाजपा में चंद्रशेखरन की बड़ी उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। थरूर के अपनी ही पार्टी के खिलाफ खुले विद्रोह ने भी कांग्रेस को नुकसान पहुंचाया है, जबकि त्रिवेंद्रम में बढ़ते वाम-विरोधी माहौल का स्वाभाविक लाभ कांग्रेस को ही मिलना था। कांग्रेस वहां तीसरे स्थान पर रही, जबकि वाम दलों ने मुख्य विपक्षी दल की भूमिका बनाए रखी। चंद्रशेखरन पिछले कुछ वर्षों से इस संसदीय क्षेत्र को साध रहे हैं, ताकि 2029 के लोकसभा चुनाव में भाजपा का टिकट हासिल कर सकें।

आरती जेरथ

त्रिवेंद्रम के नगरीय निकाय चुनावों में भाजपा की चौंकाने वाली जीत शायद कांग्रेस के असंतुष्ट नेता शशि थरूर की हालिया बेचैन कोशिशों की वजह को बताती है। उन्हें संभवतः आभास हो गया था कि हवा बदल रही है। 2024 के लोकसभा चुनाव में वे त्रिवेंद्रम सीट पर बेहद मामूली अंतर से जीते थे। इससे पूर्व लगातार तीन चुनावों में बड़ी जीत दर्ज करने के बाद पिछले साल वे भाजपा उम्मीदवार राजीव चंद्रशेखरन को केवल 12,600 वोटों से हरा सके थे। यह जीत भी थरूर को इसलिए मिली थी, क्योंकि शहर की सीमाओं के बाहर तटीय इलाकों में रहने वाले गरीब मछुआरों ने एकजुट होकर उनके पक्ष में मतदान किया था। इन नतीजों ने त्रिवेंद्रम में भाजपा की एंट्री की जमीन तैयार कर दी है, जो पिछले 45 वर्षों से वाम दलों का गढ़ रहा है। शहर के 101 वार्डों में से भाजपा ने 50 पर जीत हासिल की- पूर्ण बहुमत से सिर्फ एक सीट कम। हालांकि, भाजपा की यह जीत शशि थरूर के लिए खुशी की वजह बनने की संभावना कम ही है। उलटे, आने वाले महीनों में स्थानीय राजनीतिक समीकरणों में वे खुद को हाशिए पर पा सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र में अपने उच्च पद से इस्तीफा देने के बाद जिस कांग्रेस ने उनके राजनीतिक करियर को गढ़ा और संवारा, उसी के खिलाफ उनके बयानों, हाल के महीनों में प्रधानमंत्री की खुलकर की गई प्रशंसा और फिर पुतिन के सम्मान में राष्ट्रपति भवन में आयोजित भोज में शामिल होने ने उन्हें अपनी ही पार्टी में अविश्वसनीय बना दिया है। अब जब उनके अपने निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा का सितारा उभार पर है, तो क्या थरूर यह उम्मीद कर सकते हैं कि पिछले कई महीनों से भाजपा से मेलजोल बढ़ाने का उन्हें कोई राजनीतिक लाभ मिलेगा? त्रिवेंद्रम में अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए थरूर को चंद्रशेखरन जैसी मजबूत शख्सियत से मुकाबला करना पड़ेगा। नगरीय निकाय चुनावों में पार्टी के चौंकाने वाले प्रदर्शन को भाजपा में चंद्रशेखरन की बड़ी उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। थरूर के अपनी ही पार्टी के खिलाफ खुले विद्रोह ने भी कांग्रेस को नुकसान पहुंचाया है, जबकि त्रिवेंद्रम में बढ़ते वाम-विरोधी माहौल का स्वाभाविक लाभ कांग्रेस को ही मिलना था। कांग्रेस वहां तीसरे स्थान पर रही, जबकि वाम दलों ने मुख्य विपक्षी दल की भूमिका बनाए रखी। चंद्रशेखरन पिछले कुछ वर्षों से इस संसदीय क्षेत्र को साध रहे हैं, ताकि 2029 के लोकसभा चुनाव में भाजपा का टिकट हासिल कर सकें। उनके पास संसाधनों की कोई कमी नहीं है, जबकि थरूर की बड़ी पूंजी भाषाई ज्ञान और वाकपटुता भर है। देखना दिलचस्प होगा कि थरूर भाजपा का टिकट पाते हैं या उसकी आंतरिक राजनीति के शिकार बन जाते हैं। वास्तव में, थरूर अब एक दोराहे पर खड़े हैं। केरल में 2026 की शुरूआत में चुनाव होंगे, जब पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और असम में भी चुनाव होंगे। जहां कभी थरूर को केरल में कांग्रेस की एक बड़ी ताकत माना जाता था, वहीं स्थानीय चुनावों ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि राज्य में उनकी प्रासंगिकता अब पहले जैसी नहीं रही। व्यावहारिक रूप से कांग्रेस ने थरूर के लिए अपने दरवाजे बंद कर दिए हैं। और यही उनके सामने बड़ी दुविधा खड़ी करता है। अगर थरूर कांग्रेस में हलचल मचाने के काम नहीं आ सकते, तो क्या भाजपा के लिए भी वे उपयोगी रह पाएंगे? इसमें संदेह नहीं कि पिछले कई महीनों से भाजपा कांग्रेस को असहज करने के लिए ही थरूर का फायदा उठाती रही है। थरूर के हर बयान या लेख से पार्टी में खलबली मचती थी। ऑपरेशन सिंदूर के बाद सरकार के अंतरराष्ट्रीय जनसंपर्क अभियान के तहत जब उन्हें एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सौंपा गया, तो कांग्रेस को सार्वजनिक रूप से असहज होना पड़ा था। थरूर से अपने कड़वे अनुभवों के चलते पार्टी ने यह सबक सीखा है कि सबसे बेहतर रणनीति उन्हें नजरअंदाज करना है। ऐसे में थरूर के पास एक ही रास्ता बचता है- कांग्रेस से खुद को निष्कासित करवाने की कोशिश करना, ताकि उनकी लोकसभा सीट सुरक्षित रह सके। अगर उन्हें पार्टी से निकाला जाता है तो वे निर्दलीय सांसद बन जाएंगेय लेकिन अगर वे स्वयं इस्तीफा देते हैं, तो उनकी सीट चली जाएगी। कांग्रेस तो फिलहाल उनके उकसावे में आकर उन्हें निष्कासित करने के मूड में नहीं दिखती। ऐसे में यह देखना बाकी है कि क्या भाजपा त्रिवेंद्रम में हालात को परखने के लिए थरूर को इस्तीफा देने के लिए प्रेरित करती है और लोकसभा उपचुनाव कराने की दिशा में कदम बढ़ाती है। लेकिन ऐसी स्थिति में भी इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि भाजपा चंद्रशेखरन की जगह थरूर को टिकट देगी।

दुनिया की दो महाशक्तियों के बीच बदल रहे हैं समीकरण

> ट्रम्प के तुष्टीकरण के बजाय शांत लेकिन दृढ़ तरीके से अमेरिका का सामना करना चुना और ऐसी ट्रेड-डील हासिल की, जो उसके हितों के अनुरूप है। यही कारण है कि इसी महीने जारी नई अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति में चीन को आर्थिक प्रतिस्पर्धी, लगभग समकक्ष शक्ति और ऐसा देश बताया गया है, जिसे अमेरिका और उसके सहयोगियों के तकनीकी व आर्थिक इको-सिस्टम से बाहर रखने की रणनीति जरूरी मानी गई है। इस पूरे साल दोनों देश टैरिफ को लेकर लंबी खींचतान में उलझे रहे। इस दौरान चीन ने अमेरिका द्वारा लगाए गए बेहद कठोर टैरिफों का डटकर सामना किया, जो एक समय 140: तक पहुंच गए थे। सितंबर में अमेरिका ने दबाव और बढ़ाने की कोशिश करते हुए उन चीनी कंपनियों की सूची का विस्तार कर दिया, जिन्हें अमेरिका से निर्यात के लिए लाइसेंस लेना अनिवार्य था। इसके जवाब में चीन ने अपना ब्रह्मास्त्र इस्तेमाल किया- रेयर अर्थ्स से बने उत्पादों के वैश्विक इस्तेमाल पर प्रतिबंध। इनमें कारों के पुर्जे, इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल और ऐसे कई अन्य उत्पाद शामिल हैं। 30 अक्टूबर को हुए बुसान व्यापार समझौते के जरिए दोनों पक्षों ने एक कदम पीछे हटने का फैसला किया। चीनी और अमेरिकी रुख के बीच बुनियादी फर्क यह रहा कि बीजिंग ट्रम्प के पहले कार्यकाल से ही इस टकराव की तैयारी कर रहा था। चीन अब भी उन्नत सेमीकंडक्टर्स, एयरोस्पेस उपकरण और तकनीक, उच्चस्तरीय मशीनरी व प्रिसीजन इंस्ट्रूमेंट्स तथा कुछ जैव-चिकित्सकीय और फार्मा उत्पादों के लिए रणनीतिक रूप से पश्चिम पर निर्भर है। इसके बावजूद, पश्चिम चीन पर कई अहम उत्पादों के लिए निर्भर बना हुआ है- इलेक्ट्रॉनिक सामान और उसके घटक, इलेक्ट्रिक वाहन और बैटरियां, दवाओं के कच्चे रसायन और सबसे महत्वपूर्ण, रेयर अर्थ्स और मैग्नेट।

मनोज जोशी

अमेरिका-चीन संबंध अब एक बिल्कुल अलग स्तर पर पहुंच चुके हैं। यह अतीत की किसी आपसी समझ की वापसी नहीं है, बल्कि प्रतिस्पर्धा और सहभागिता से परिभाषित एक नया चरण है, जिसकी सबसे प्रमुख विशेषता लेन-देन पर आधारित व्यवहार है। ट्रम्प के नेतृत्व में आए उघ्तार-चढ़ावों से निपटने में चीन असाधारण रूप से सफल रहा है। उसने ट्रम्प के तुष्टीकरण के बजाय शांत लेकिन दृढ़ तरीके से अमेरिका का सामना करना चुना और ऐसी ट्रेड-डील हासिल की, जो उसके हितों के अनुरूप है। यही कारण है कि इसी महीने जारी नई अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति में चीन को आर्थिक प्रतिस्पर्धी, लगभग समकक्ष शक्ति और ऐसा देश बताया गया है, जिसे अमेरिका और उसके सहयोगियों के तकनीकी व आर्थिक इको-सिस्टम से बाहर रखने की रणनीति जरूरी मानी गई है। इस पूरे साल दोनों देश टैरिफ को लेकर लंबी खींचतान में उलझे रहे। इस दौरान चीन ने अमेरिका द्वारा लगाए गए बेहद कठोर टैरिफों का डटकर सामना किया, जो एक समय 140: तक पहुंच गए थे। सितंबर में अमेरिका ने दबाव और बढ़ाने की कोशिश करते हुए उन चीनी कंपनियों की सूची का विस्तार कर दिया, जिन्हें अमेरिका से निर्यात के लिए लाइसेंस लेना अनिवार्य था। इसके जवाब में चीन ने अपना ब्रह्मास्त्र इस्तेमाल किया- रेयर अर्थ्स से बने उत्पादों के वैश्विक इस्तेमाल पर प्रतिबंध। इनमें कारों के पुर्जे, इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल और ऐसे कई अन्य उत्पाद शामिल हैं। 30 अक्टूबर को हुए बुसान व्यापार समझौते के जरिए दोनों पक्षों ने एक कदम पीछे हटने का फैसला किया। चीनी और अमेरिकी रुख के बीच बुनियादी फर्क यह रहा कि बीजिंग ट्रम्प के पहले कार्यकाल से ही इस टकराव की तैयारी कर रहा था। चीन अब भी उन्नत सेमीकंडक्टर्स, एयरोस्पेस उपकरण और तकनीक, उच्चस्तरीय मशीनरी व प्रिसीजन इंस्ट्रूमेंट्स तथा कुछ जैव-चिकित्सकीय और फार्मा उत्पादों के लिए रणनीतिक रूप से पश्चिम पर निर्भर

पर निर्भरता काफी बढ़ी है, जिन्हें वे मुख्य रूप से चीन से मंगाते हैंय जबकि चीन ने अमेरिका और ईयू के उत्पादों पर अपनी निर्भरता घटा दी है। 2022 में अमेरिका 5,000 से कुछ अधिक उत्पाद श्रेणियों में से 532 में चीन से आयात पर भारी रूप से निर्भर था, जो 2000 की तुलना में लगभग चार गुना अधिक है। जबकि इसी अवधि में चीन ने उन उत्पादों की संख्या लगभग आधी कर दी, जिनके लिए वह अमेरिका पर निर्भर था- 116 से घटकर 57। अमेरिका के पास आज के चीन को एक राजनीतिक और आर्थिक समकक्ष- एक औद्योगिक महाशक्ति- के रूप में देखने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। बेशक चीन की अपनी कमजोरियां हैं, जनसांख्यिकीय चुनौतियां और एक अव्यवस्थित राजकोषीय स्थिति, जिसने उसकी आर्थिक गति को प्रभावित किया है। चीनी नेतृत्व संभवतः भीतर की ओर अधिक ध्यान दे रहा है और वैश्विक साम्राज्यवादी वर्चस्व के बजाय चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की सर्वोच्चता बनाए रखने पर केंद्रित है। ताइवान पर कब्जे के लिए चीन के सैन्य विकल्प अपनाने की चर्चा भले ही जोर-शोर से होती रहे, लेकिन ऐसी स्थिति के घटित होने की संभावना कम है। बीजिंग का उद्देश्य ताइवान की सम्प्रभुता संबंधी बयानबाजी पर लगाम लगाना और री-यूनिफिकेशन के सवाल को फिलहाल आगे के लिए टालते रहना है। फिलहाल तो अमेरिका ताइवान के सवाल पर रणनीतिक अस्पष्टता बनाए हुए है कि सैन्य संघर्ष की स्थिति में अमेरिकी सैनिक ताइवान की रक्षा करेंगे या नहीं।

है। इसके बावजूद, पश्चिम चीन पर कई अहम उत्पादों के लिए निर्भर बना हुआ है- इलेक्ट्रॉनिक सामान और उसके घटक, इलेक्ट्रिक वाहन और बैटरियां, दवाओं के कच्चे रसायन और सबसे महत्वपूर्ण, रेयर अर्थ्स और मैग्नेट। हकीकत यह है कि पिछले 20 वर्षों में ईयू और अमेरिका की उन वस्तुओं

मनोरंजन

ग्राफिक्स में देखें किस खिलाड़ी पर लगी कितने की बोली अब तक कौन रहा सबसे महंगा

अबु धाबी। आईपीएल 2026 के लिए मिनी नीलामी जारी है। आइए ग्राफिक्स के जरिये जानते हैं किस खिलाड़ी पर कितने की बोली लगी है और अब तक कौन सबसे महंगा रहा है। आईपीएल 2026 सत्र के लिए खिलाड़ियों की मिनी नीलामी शुरू हो चुकी है। कुल 77 स्थानों के लिए सभी 10 फ्रेंचाइजी बोली लगा रही हैं। डेवोन कॉनवे और पृथ्वी शॉ जैसे खिलाड़ियों को शुरूआत में किसी ने नहीं खरीदा, लेकिन उम्मीद के मुताबिक कैमरन ग्रीन के लिए बड़ी बोली देखने को मिली। आइए ग्राफिक्स के जरिये जानते हैं किस खिलाड़ी पर कितने की बोली लगी है और अब तक कौन सबसे महंगा रहा है। पृथ्वी को शुरूआत में नहीं मिला खरीदार आईपीएल नीलामी में सबसे पहले जैक फ्रेजर मैकगर्क उतरे जिनका आधार मूल्य दो करोड़ रुपये है। मैकगर्क को फिलहाल किसी ने नहीं खरीदा और वह अनसोल्ड रहे। इसके बाद डेविड मिलर आए जिनका आधार मूल्य दो करोड़ रुपये है।

हिजाब विवाद पर भड़कीं जायरा वसीम

बोलीं- नीतीश कुमार माफी मांगे;

पूर्व अभिनेत्री जायरा वसीम ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से माफी मांगने के लिए कहा है। कड़े शब्दों में जायरा ने सीएम के खिलाफ अपनी नाराजगी जाहिर की है। क्या है पूरा मामला, चलिए जानते हैं। बिहार की राजनीति एक बार फिर विवादों के घेरे में आ गई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह एक सरकारी कार्यक्रम के दौरान एक महिला डॉक्टर के चेहरे से हिजाब हटाते नजर आ रहे हैं। इस घटना के सामने आते ही देशभर में तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। फिल्म ह्यदंगल और ह्यसीक्रेट सुपरस्टार से पहचान बनाने वाली पूर्व अभिनेत्री जायरा वसीम ने इस पूरे मामले पर कड़ा ऐतराज जताया है और मुख्यमंत्री से बिना शर्त माफी की मांग की है। नीतीश कुमार ने महिला का हटाया हिजाब घटना पटना में आयोजित एक प्रमाणपत्र वितरण समारोह की है। कार्यक्रम के दौरान जब नीतीश कुमार एक आयुष डॉक्टर को प्रमाणपत्र सौंप रहे थे, उसी समय उन्होंने इशारों में महिला से हिजाब हटाने को कहा। महिला के तुरंत प्रतिक्रिया न देने पर मुख्यमंत्री ने खुद आगे बढ़कर उनका हिजाब नीचे कर दिया, जिससे उनका चेहरा सार्वजनिक रूप से दिख गया। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो कुछ ही घंटों में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और देखते ही देखते यह राष्ट्रीय बहस का विषय बन गया। जायरा वसीम ने जताई नाराजगी इस वीडियो को देखकर जायरा वसीम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ह्यएक्स पर गहरी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने इसे महिला की गरिमा और निजी सीमा का उल्लंघन बताया। जायरा ने लिखा कि किसी भी पद या सत्ता को यह अधिकार नहीं देता कि वह किसी महिला की धार्मिक और व्यक्तिगत मयार्दा से खिलवाड़ करे। एक मुस्लिम महिला के तौर पर इस दृश्य को देखना उनके लिए बेहद पीड़ादायक था। जायरा वसीम ने साफ शब्दों में कहा कि सार्वजनिक मंच पर किसी महिला के साथ ऐसा व्यवहार अस्वीकार्य है और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को उस महिला से बिना किसी शर्त के माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि यह मुद्दा सिर्फ धर्म का नहीं, बल्कि सम्मान, सहमति और व्यक्तिगत अधिकारों का है। विपक्षी दलों ने सीएम के बर्ताव को बताया शर्मनाक इस मामले ने राजनीतिक रंग भी ले लिया है। कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों ने मुख्यमंत्री के व्यवहार को शर्मनाक करार दिया है। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) ने तो यहां तक सवाल उठा दिया कि क्या मुख्यमंत्री अपने आचरण और जिम्मेदारी के प्रति सचेत हैं। सोशल मीडिया पर भी बड़ी संख्या में लोग महिला के समर्थन में सामने आए हैं और इसे सत्ता के दुरुपयोग का उदाहरण बता रहे हैं। 2019 में फिल्मी दुनिया से बनाई दूरी गौरतलब है कि जायरा वसीम ने वर्ष 2019 में फिल्मी दुनिया से दूरी बना ली थी। उन्होंने उस समय कहा था कि अभिनय उनके धार्मिक विश्वासों से टकराता है। भले ही वह अब फिल्मों का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन सामाजिक मुद्दों पर उनकी राय आज भी व्यापक चर्चा का विषय बन जाती है। फिलहाल, इस पूरे मामले पर नीतीश कुमार या उनके कार्यालय की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

जब काजोल को दिखा लोगों पर डीडीएलजे का असर

एक्ट्रेस ने साझा किया किस्सा

अभिनेत्री काजोल ने उस पल को याद किया जब उन्हें लोगों पर दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे का प्रभाव देखने को मिला। जानिए एक्ट्रेस ने सुनाया क्या किस्सा॥

काजोल और शाहरुख खान की ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर फिल्म दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे ने इस साल अपनी रिलीज के 30 साल पूरे किए हैं। इसको लेकर बीते दिनों लंदन में एक कार्यक्रम भी हुआ, जहां फिल्म से जुड़े शाहरुख और काजोल के एक स्टैच्यू का अनावरण किया गया। अब फिल्म की अभिनेत्री काजोल ने उस पल को बताया जब उन्हें फिल्म के व्यापक स्तर पर सफल होने का अंदाजा लगा। काजोल ने डीडीएलजे की सफलता को किया याद जस्ट टू फिल्मी बेस्ट ऑफ ओटीटी राउंडटेबल 2025 में बात करते हुए काजोल ने डीडीएलजे के 30 साल पूरे होने को याद किया। फिल्म की सफलता को लेकर अभिनेत्री ने कहा कि कई बार बॉक्स ऑफिस के आंकडों से इतर फिल्म की अप्रत्याशित सफलता आपको हैरान कर देती है। काजोल ने उस पल के बारे में भी बताया, जब उन्हें ये एहसास हुआ कि फिल्म अब वाकई एक ब्लॉकबस्टर बन गई है। एक्ट्रेस ने हंसते हुए बताया कि मैं फिल्म सिटी से वापस आ रही थी और एक सिग्नल पर रुकी। एक ट्रक मेरे बगल में आकर रुका और ड्राइवर ने बस मेरी तरफ देखा। तभी मुझे एहसास हुआ कि ठीक है, कुछ तो वाकई दिल को छू गया है। लंदन में डीडीएलजे के स्टैच्यू बनने को बताया सम्मान की बात फिल्म के तीस साल पूरे होने पर लंदन के लीसेस्टर स्क्वायर में डीडीएलजे की प्रतिमा का अनावरण होने पर काजोल ने कहा कि यह सम्मान अभी भी अविश्वसनीय लगता है। हमने फिल्म की शूटिंग वहीं की थी और अब वहां स्टैच्यू देखना अविश्वसनीय है। यह दर्शाता है कि हमारी कहानियां कितनी दूर तक पहुंचती हैं। महिलाओं का नजरिया अब बदल रहा है अपने ओटीटी सफर के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि न केवल उनकी पसंद बदली है, बल्कि दर्शक भी बदले हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएं अब खुद को अलग नजरिए से देख रही हैं। जब वे स्क्रीन पर खुद के कुछ अंश पहचानती हैं, तो यह कहीं अधिक आकर्षक हो जाता है। अधिक महिलाएं देख रही हैं, अधिक महिलाएं जुड़ रही हैं, और इससे कहानी कहने का तरीका बदल रहा है। आखिरी बार ओटीटी पर ही नजर आई थीं काजोल वर्कफ्रंट की बात करें तो काजोल आखिरी बार वेब सीरीज द ट्रायल के दूसरे सीजन में नजर आई थीं। यह जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रही है। इसके अलावा वो ओटीटी पर ही रिलीज हुई फिल्म सरजमीं में भी नजर आई हैं। जबकि इस साल सिनेमाघरों में भी उनकी फिल्म मां रिलीज हुई थी। हालांकि, इस हॉरर-मायथोलॉजी फिल्म को कुछ खास सफलता हासिल नहीं हुई थी।

दूसरे सोमवार को रणवीर सिंह का जलवा, सिंगल लैंग्वेज कलेक्शन में इतिहास रचा

रणवीर सिंह ने धुरंधर के साथ ऐसा बॉक्स ऑफिस कारनामा कर दिखाया है, जैसा भारतीय सिनेमा ने शायद ही पहले कभी देखा हो। इस फिल्म के जरिए अभिनेता ने ऐसे ऐतिहासिक आंकड़े हासिल किए हैं, जो पैमाने, निरंतरता और जबरदस्त जन-स्वीकृति के दम पर पूरी तरह बेजोड़ हैंकृवह भी सिर्फ एक ही भाषा के बाजार में। बिना मल्टी-लैंग्वेज रिलीज के सहारे इस तरह का प्रदर्शन भारतीय बॉक्स ऑफिस इतिहास में एक दुर्लभ क्षण है। फिल्म के आंकड़े इस उपलब्धि की विशालता को साफ दशार्ते हैं। धुरंधर ने भारत में 396.40 करोड़ का कलेक्शन किया है, जबकि ओवरसीज वीकेंड कलेक्शन 123.66 करोड़ के चौंकाने वाले आंकड़े तक पहुंच चुका है, जो वैश्विक स्तर पर फिल्म को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया को दशार्ता है। ये आंकड़े सिर्फ प्रभावशाली ही नहीं हैं। बल्कि यह मजबूत पकड़, लगातार रफ्तार और रिपीट ऑडियंस का संकेत भी देते हैं, जिस पर ट्रेड एनालिस्ट्स ओपनिंग डे की चर्चा से आगे खास नजर रखते हैं। इस रन को वाकई ऐतिहासिक बनाता है इसका ओपनिंग वीकेंड के बाद भी लगातार मजबूती से चलना। दूसरे वीकेंड और सोमवार के प्रदर्शन ने नए बेंचमार्क स्थापित किए हैं, यह साबित करते हुए कि फिल्म की सफलता केवल शुरूआती जिज्ञासा पर नहीं, बल्कि दर्शकों के भरोसे और जबरदस्त वर्ड ऑफ माउथ पर टिकी है। दिन-ब-दिन रिकॉर्ड टूटते गए हैं, जिससे धुरंधर एक परिभाषित बॉक्स ऑफिस इवेंट बनकर उभरी है। इस पूरी सफलता के केंद्र में हैं रणवीर सिंहकृजो एक दमदार कमबैक के साथ भारतीय सिनेमा को आगे बढ़ा रहे हैं और खुद को मासेस के किंग के रूप में स्थापित कर रहे हैं।

भारती सिंह ने आयशा खान को लेकर किया ऐसा कमेंट, लोगों ने कर दिया ट्रोल; बोले- ह्ययह मजाक नहीं बॉडी शेमिंग है

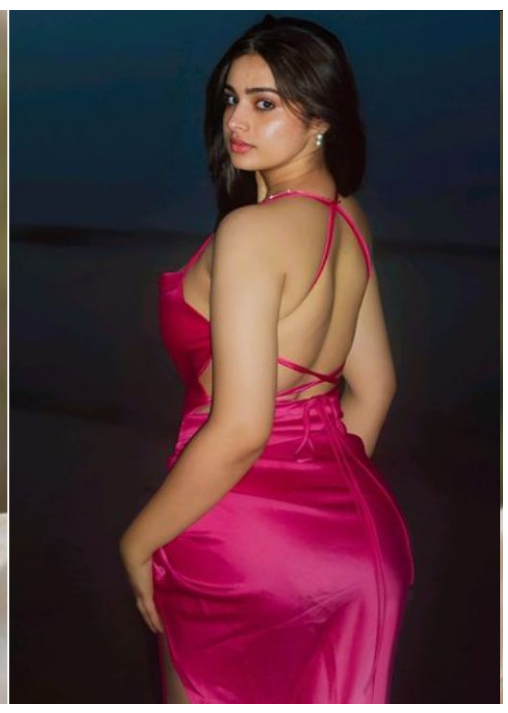

लॉफ्टर शेफ के हालिया एपिसोड में ह्यकिस किसको प्यार करूं 2 की टीम पहुंची थी। तभी कॉमेडियन भारती सिंह ने आयशा खान को लेकर कुछ ऐसा कह दिया कि अब वो लोगों के निशाने पर हैं। जानिए भारती ने ऐसा क्या कुछ कहा कॉमेडियन भारती सिंह जल्द ही दूसरी बार मां बनने वाली हैं। लेकिन भारती प्रेग्नेंसी में भी लगातार काम कर रही हैं। वो इन दिनों रियलिटी शो ह्यलॉफ्टर शेफ को होस्ट कर रही हैं। अब शो के हालिया एपिसोड में भारती ने कुछ ऐसा कर दिया, जो काफी वायरल हो गया। वहीं इसके बाद कुछ लोगों ने भारती को ट्रोल भी कर दिया। जानें क्या है पूरा मामला भारती के कमेंट से असहज हुई आयशा लॉफ्टर शेफ के हालिया एपिसोड में कपिल शर्मा समेत ह्यकिस किसको प्यार करूं 2 की पूरी टीम शो पर पहुंची थी। इस दौरान कपिल के साथ पूरी टीम ने जमकर मस्ती की। इसी दौरान भारती ने फिल्म की हीरोइन आयशा खान को लेकर कुछ ऐसा कह दिया, जो वायरल हो गया और कई लोगों को पसंद भी नहीं आ रहा है। पूरी कास्ट के एंट्री करने के बाद भारती ने कहा, ह्यजब सारी हीरोइन आई ना, मुझे आयशा को देख के लगा कृष्णा फिर से आ गया।

भारती के इतना कहते ही सब जोर-जोर हंसने लगे। जबकि आयशा भी ये सुनकर हैरान रह गईं। इसके बाद भारती ने अपनी बात को संभालते हुए कहा कि क्योंकि आयशा कृष्णा की ही तरह लंबी है ना। भारती के इस कमेंट से आयशा काफी असहज नजर आईं और अपने पेट को हाथ से ढकने की कोशिश करते हुए कपिल शर्मा की ओर दौड़ती नजर आईं। इसके बाद कपिल ने भारती से पूछा कि ये तारीफ थी या क्या? वहीं पारुल गुलाटी ने भारती से कहा कि आपको ऐसा नहीं कहना चाहिए था। इस पर भारती ने जवाब दिया, ह्यमाफ करें, मैं प्रेग्नेंट हूं।

श्रद्धा कपूर ने किया रणवीर सिंह की फिल्म का रिव्यू, कहा- तीन महीने इंतजार करवाया

बॉलीवुड फिल्म धुरंधर की हर तरफ तारीफ हो रही है। फिल्म में रणवीर सिंह ,अक्षय खन्ना, संजय दत्त, आर. माधवन और अर्जुन रामपाल अहम भूमिका में नजर आए हैं। इसने बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी और इसे दर्शकों से भी जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। कई सेलेब्स भी धुरंधर देखने के बाद इसकी तारीफ कर चुके हैं। इसी बीच अब इस लिस्ट में एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर का नाम भी शामिल हो गया है। श्रद्धा कपूर ने इस फिल्म की तारीफ करते हुए दूसरे पार्ट के लिए भी अपनी उत्सुकता जाहिर की है। श्रद्धा कपूर ने फिल्म धुरंधर की तारीफ करते हुए अपने इंस्टाग्राम पर कई स्टोरीज शेयर कीं। अपनी स्टोरीज में उन्होंने लिखा, आदित्य धर का धुरंधर बनाना वाकई बुरा लग रहा है, क्योंकि दूसरे पार्ट के लिए हमें तीन महीने का इंतजार करवाया है। हमारी भावनाओं के साथ खिलवाड़ मत करो। कृपया इसे पहले रिलीज कर दो। श्रद्धा कपूर ने फिल्म धुरंधर की तारीफ करते हुए कहा कि क्या शानदार अनुभव रहा। यदि सुबह शूट नहीं होता तो अभी जाकर दोबारा देखती है। उन्होंने इस साल हिंदी सिनेमा को मिली हिट फिल्मों का जिक्र करते हुए कहा कि छावा, सैयारा और धुरंधर सभी 2025 के हिंदी सिनेमा में। श्रद्धा कपूर ने आदित्य धर की पत्नी और एक्ट्रेस यामी गौतम को मिले निगेटिव पीआर के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, यामी गौतम को निगेटिव पीआर और मनगढ़ंत विवादों का सामना करना पड़ा, लेकिन धुरंधर ने इन सब का सामना किया और शानदार प्रदर्शन किया। कोई भी बुरी ताकत एक अच्छी फिल्म को नीचे नहीं गिरा सकती। हमें दर्शकों पर भरोसा है।बता दें, मल्टीस्टारर फिल्म धुरंधर 5 दिसंबर को पर्दे पर रिलीज हुई है और बॉक्स ऑफिस पर लगातार धूंआधार कमाई करती जा रही है।

निक जोनस के दिल पर चढ़ा देसी रंग, वॉर 2 के गाने पर झूमे, प्रियंका चोपड़ा ने यूं बढ़ाया हौसला

हॉलीवुड स्टार निक जोनस ने हाल ही में अपने इंस्टागाम पर एक वीडियो साझा किया है जिसमें वो ऋतिक और कियारा की फिल्म 'वॉर 2' के गाने पर डांस करते हुए नजर आ रहे हैं। उनके इस वीडियो पर प्रियंका का रिएक्शन भी सामने आया है। हॉलीवुड पॉप स्टार और अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा के पति निक जोनस हाल ही में एक बॉलीवुड गाने पर थिरकते हुए नजर आए। निक जोनस के इस वीडियो से इतना तो पता चल गया है कि भारतीय सिनेमा और देसी म्यूजिक का जादू सरहदों से कहीं आगे तक असर करता है। हाल ही में उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया, जिसमें वह बॉलीवुड फिल्म 'वॉर 2' के जोशीले गाने पर वाइब करते हुए नजर आए। 'वॉर 2' के गाने पर झूमे निक जोनस निक जोनस इन दिनों अपने म्यूजिक टूर में बिजी हैं, लेकिन हर शो से पहले वह खुद को एनर्जी देने के लिए जिस गाने को सुनते हैं, उसने भारतीय फैंस का दिल जीत लिया है।

अभिज्ञान कुंडू का दोहरा शतक 125 गेंद में बनाए 209 रन, मलयेशिया को भारत ने दिया 409 रन का लक्ष्य

दुबई। वेदांत शतक से चूक गए। उन्होंने अपनी 90 रन की पारी में सात चौके लगाए। हरवंश पंगालिया पांच रन और कनिष्क चौहान 14 रन बनाकर आउट हुए। अंडर-19 एशिया कप में टीम इंडिया का शानदार फॉर्म जारी है। भारत ने मंगलवार को अपने तीसरे मैच में मलयेशिया को 409 रन का लक्ष्य दिया है। टीम ने अभिज्ञान कुंडू के नाबाद दोहरे शतक की मदद से 50 ओवर में सात विकेट गंवाकर 408 रन बनाए। कुंडू ने 125 गेंद में 17 चौके और नौ छक्कों की मदद से 209 रन की तूफानी पारी खेली। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 167.20 का रहा। वहीं, वेदांत त्रिवेदी ने 106 गेंद में 90 रन बनाए। वैभव सूर्यवंशी ने भी 26 गेंद में 50 रन की तूफानी पारी खेली। भारत इससे पहले लीग राउंड में यूएई और पाकिस्तान को हरा चुका है। पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम इंडिया की शुरूआत अच्छी नहीं रही थी। कप्तान आयुष म्हात्रे सात गेंद में 14 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद विहान मल्होत्रा ने सात रन बनाए। वैभव ने फिर वेदांत के साथ 40 रन की साझेदारी निभाई। वैभव ने 50 रन की अपनी पारी में पांच चौके और तीन छक्के लगाए। इसके बाद वेदांत ने कुंडू के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 209 रन की साझेदारी निभाई।

पीएम मोदी पहुंचे इथियोपिया जानें क्यों खास है ये दौरा

अदीस अबाबा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन देशों के दौरे पर हैं। पीएम मोदी मंगलवार को जॉर्डन दौरा खत्म कर इथियोपिया की राजधानी अदीस अबाबा पहुंचे। इथियोपिया दौरे पर पीएम मोदी प्रधानमंत्री अबी अहमद अली से मुलाकात करेंगे। इसके साथ ही इथियोपिया की संसद को भी संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जॉर्डन दौरा खत्म कर मंगलवार को इथियोपिया की राजधानी अदीस अबाबा पहुंचे। राजधानी अदीस अबाबा के एयरपोर्ट पर इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद अली ने गले लगाकर कर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। पीएम नरेंद्र मोदी इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद अली के निमंत्रण पर दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर हैं। पीएम मोदी की इथियोपिया की यह पहली यात्रा है। दो दिवसीय दौरे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इथियोपिया के पीएम अबी अहमद अली से मुलाकात की। इसके साथ ही वहां की संसद को भी

संबोधित करेंगे। इथियोपिया में रहने वाला भारतीय समुदाय पीएम मोदी के आगमन पर काफी उत्साहित है। इस दौरे में भारत-इथियोपिया के बीच स्वास्थ्य, शिक्षा और इफ्क्टर सहयोग को बढ़ाने की उम्मीद जताई जा रही है। भारतीय अंतरराष्ट्रीय स्कूल के छात्रों में उत्साह इथियोपिया में भारतीय अंतरराष्ट्रीय स्कूल के छात्रों के बीच पीएम मोदी के आगमन को लेकर गजब उत्साह देखने को मिला है। स्कूल के प्रधान अब्राहम ने न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए कहा कि हम भारतीय पाठ्यक्रम और किताबों का पालन कर रहे हैं। इस साल हमारे स्कूल को उइरए से मान्यता भी मिल गई है। यहां के ज्यादातर इथियोपियाई माता-पिता अपने बच्चों की शिक्षा को बहुत महत्व देते हैं। भारतीय समुदाय के लोगों ने भी पीएम मोदी के आगमन को लेकर खूशी जताई है। इसी क्रम में रामेंद्र शाह ने कहा कि भारत और इथियोपिया के बीच सहयोग से स्वास्थ्य सेवाओं में काफी सुधार हुआ है। यहां की मेडिकल सुविधाएं बहुत बेहतर हुई हैं। कई अस्पताल भारतीय अस्पतालों के साथ शोध कर रहे हैं। महात्मा गांधी अस्पताल भी 400 बेड्स के विस्तार की योजना पर काम कर रहा है। इसके साथ ही शाह ने उम्मीद जताई है कि इस यात्रा से भारत की दानदाता संस्थाओं की मदद भी बढ़ेगी। अपने इथियोपिया दौरे को लेकर क्या बोले पीएम मोदी इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने भारत से रवाना होने से पहले अपनी यात्रा के महत्व पर भी बात की। उन्होंने कहा कि मैं पहली बार फेडरल डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ इथियोपिया का दौरा कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि अदीस अबाबा अफ्रीकी संघ का मुख्यालय भी है। 2023 में भारत के ॠ20 अध्यक्ष होने के दौरान, अफ्रीकी संघ को ॠ20 का स्थायी सदस्य बनाया गया। अदीस अबाबा में मैं डॉ. अबी अहमद अली के साथ विस्तृत चर्चा करूंगा और वहां रहने वाले भारतीय समुदाय से मिलने का अवसर भी मिलेगा। इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने अपने हालिया दौरे की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जोर्डन दौरे के परिणाम महत्वपूर्ण हैं और भारत-जॉर्डन संबंधों को मजबूत करेंगे। उन्होंने अक्षय ऊर्जा, डिजिटल नवाचार और जल संसाधन प्रबंधन में सहयोग को साझा जिम्मेदारी और सतत विकास की दिशा में बढ़ते कदम बताया।

एक हमलावर ने किया भारतीय पासपोर्ट का इस्तेमाल

मनीला। सिडनी के बॉन्डी बीच पर आतंकी हमले के मामले में नया मोड़ आ गया है, क्योंकि फिलीपींस ने दावा किया है कि एक हमलावर ने भारत के पासपोर्ट का इस्तेमाल कर वहां की

यात्रा की। ऑस्ट्रेलियाई पुलिस दोनों दहशतगर्तों की फिलीपींस यात्रा की जांच कर रही है और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों से सहयोग ले रही है। ऑस्ट्रेलिया में सिडनी के बॉन्डी बीच पर हुए हमले से इस्लामिक स्टेट के तार जुड़ने की बात सामने आई है। इसी बीच, एक और चौंकाने वाला दावा सामने आया है। फिलीपींस ने दावा किया है कि पाकिस्तानी मूल के पिता-पुत्र भारतीय और ऑस्ट्रेलियाई पासपोर्ट का इस्तेमाल कर ऑस्ट्रेलिया पहुंचे और सिडनी में खौफनाक वारदात को अंजाम दिया। फिलीपींस के इस दावे पर सोशल मीडिया यूजर्स जमकर कमेंट्स कर रहे हैं। यूजर्स लिख रहे हैं कि इनका पासपोर्ट फर्जी होगा। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि इस आतंकी हमले के आरोपी बाप-बेटे (24 साल का नवीद अकरम और उसके 50 साल के पिता साजिद) ने कुछ हफ्ते फिलीपींस की यात्रा की थी। ऑस्ट्रेलियाई पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि दोनों का वहां जाने का मकसद क्या था, किन स्थानों पर ठहरे और किन लोगों से उन्होंने संपर्क किया। रॉयटर्स ने ऑस्ट्रेलिया के अधिकारियों के हवाले से बताया कि हमलावर साजिद ने भारत और नवीद ने ऑस्ट्रेलिया के पासपोर्ट का इस्तेमाल किया था। ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों के मुताबिक इस बात का पता लगाने के लिए अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों से भी सहयोग लिया जा रहा है कि इन दोनों बाप-बेटों की यह सामान्य फिलीपींस यात्रा थी या किसी चरमपंथी नेटवर्क से मिलने के लिए की गई थी। इससे पहले बीबीसी और एएफपी ने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री के हवाले से कहा कि यह हमला आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) की विचारधारा से प्रेरित था। हमलावरों की कार से इस्लामिक स्टेट का झंडा और कुछ विस्फोटक बरामद होने के बाद जांच एजेंसियों की चिंता बढ़ गई है। ब्लूमबर्ग के मुताबिक, फिलीपींस के आव्रजन ब्यूरो के एक प्रवक्ता ने बताया कि साजिद अकरम और उसका बेटा नवीद अकरम एक नवंबर को सिडनी से एक साथ आए थे और 28 नवंबर को चले गए। यानी करीब एक महीने तक फिलीपींस में रहे।

यूक्रेन को सुरक्षा की गारंटी देने पर अमेरिका तैयार

बर्लिन। अमेरिका ने रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए शांति वार्ता में यूक्रेन को सुरक्षा

गारंटी देने पर सहमति जताई है। बर्लिन में हुई बातचीत में अमेरिका और यूरोप ने मिलकर मजबूत सुरक्षा ढांचा तैयार करने का संकेत दिया। हालांकि जमीन और नाटो सदस्यता पर मतभेद अब भी है। रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने की दिशा में अहम संकेत देते हुए अमेरिका ने यूक्रेन को शांति समझौते के तहत सुरक्षा गारंटी देने पर सहमति जता दी है। बर्लिन में हुई ताजा बातचीत के बाद अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि करीब चार साल से चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए जमीन तैयार हो रही है। इस बातचीत में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और अमेरिका के दूतों के बीच कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, राष्ट्रपति ट्रंप के दूतों और यूक्रेनी नेतृत्व के बीच सुरक्षा गारंटी और क्षेत्रीय मुद्दों पर मतभेद काफी हद तक कम हुए हैं। अमेरिका ने स्पष्ट किया कि यूक्रेन को दी जाने वाली सुरक्षा गारंटी अनिश्चित समय तक खुली पेशकश नहीं रहेगी। राष्ट्रपति ट्रंप ने भी कहा कि अब शांति समझौते के पहले से कहीं ज्यादा करीब पहुंच गए हैं और यूरोपीय देशों का भी पूरा समर्थन मिल रहा है। सुरक्षा गारंटी का ढांचा यूरोपीय नेताओं और अमेरिका ने मिलकर यूक्रेन को ह्लमजबूत सुरक्षा गारंटीह्व देने पर सहमति जताई है। इसके तहत यूरोप की अगुवाई में एक बहुराष्ट्रीय बल बनाने का प्रस्ताव है, जिसे अमेरिका का समर्थन मिलेगा। यह बल यूक्रेन के भीतर काम करेगा, सेना के पुनर्निर्माण में मदद करेगा, हवाई सुरक्षा मजबूत करेगा और समुद्री रास्तों को सुरक्षित बनाएगा। प्रस्ताव में यूक्रेन की सेना को शांति काल में करीब आठ लाख सैनिकों तक सीमित रखने की बात भी शामिल है। भूमि और नाटो पर मतभेद शांति वार्ता में सबसे बड़ी अड़चन यूक्रेन की जमीन और नाटो सदस्यता को लेकर है। यूक्रेन ने साफ कहा है कि वह रूस को अपनी जमीन देने के पक्ष में नहीं है। रूस चाहता है कि यूक्रेन पूर्वी डोनबास क्षेत्र से अपनी सेना हटाए। जेलेंस्की ने संकेत दिया है कि यदि अमेरिका और पश्चिमी देश नाटो जैसी सुरक्षा गारंटी दें, तो यूक्रेन नाटो सदस्यता पर पुनर्विचार कर सकता है, हालांकि उसकी प्राथमिकता अब भी नाटो में शामिल होना ही है। अमेरिका और यूरोप की भूमिका अमेरिका की ओर से पेश दस्तावेज में सुरक्षा गारंटी को पहले से ज्यादा स्पष्ट किया गया है। जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने इसे अब तक का सबसे ठोस प्रस्ताव बताया। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि शांति योजना के करीब 90 प्रतिशत बिंदुओं पर सहमति बन चुकी है। रूस ने भी संकेत दिए हैं कि उसे यूक्रेन के यूरोपीय संघ में शामिल होने पर आपत्ति नहीं है, लेकिन नाटो सदस्यता को वह अब भी खतरा मानता है।

विलासिता की वस्तुओं पर सबसे अधिक खर्च करने वाले भारतीय पर्यटक

सिंगापुर। सिंगापुर में भारतीय पर्यटक विलासिता की वस्तुओं पर सबसे अधिक खर्च करने वालों में शामिल हैं। 2025 की पहली

छमाही में भारतीयों ने 81.217 करोड़ सिंगापुर डॉलर खर्च किए। पर्यटकों की संख्या और प्रति व्यक्ति खर्च दोनों बढ़े हैं। वैश्विक स्तर पर पर्यटन खर्च में सुस्ती के बीच सिंगापुर में भारतीय पर्यटक विलासिता की अर्थव्यवस्था को मजबूती दे रहे हैं। सिंगापुर पर्यटन बोर्ड के ताजा आंकड़े बताते हैं कि भारतीय यात्री न केवल संख्या में बढ़ रहे हैं, बल्कि प्रति व्यक्ति खर्च के मामले में भी शीर्ष देशों में शामिल हो गए हैं। इससे सिंगापुर के रिटेल, होटल और मनोरंजन उद्योग को सीधा लाभ मिल रहा है। एसटीबी के अनुसार, 2025 की पहली छमाही में भारतीय पर्यटकों ने सिंगापुर में 81.217 करोड़ सिंगापुर डॉलर खर्च किए। यह खर्च पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 4.40 प्रतिशत अधिक है। आंकड़े साफ संकेत देते हैं कि भारतीय पर्यटक सिंगापुर के लिए एक मजबूत और भरोसेमंद बाजार बन चुके हैं। आंकड़ों में दिखी लगातार बढ़त एसटीबी के मुताबिक, साल के पहले 10 महीनों में सिंगापुर आने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या 10 लाख तक पहुंच गई। यह संख्या पिछले वर्ष की तुलना में 2.6 प्रतिशत अधिक है। कुल मिलाकर जनवरी से अक्तूबर 2025 के दौरान सिंगापुर में 1.425 करोड़ पर्यटक पहुंचे, जो 2.5 प्रतिशत की वृद्धि दशार्ता है। भारतीय पर्यटक क्यों खर्च कर रहे ज्यादा ऑर्केड रोड बिजनेस एसोसिएशन के चेयरमैन मार्क शॉ के अनुसार, भारतीय यात्री औसतन 6.3 दिन तक सिंगापुर में ठहरते हैं। लंबी अवधि के ठहराव के कारण वे खुदरा खरीदारी, भोजन, मनोरंजन, दर्शनीय स्थलों और होटलों पर औसत से कहीं अधिक खर्च करते हैं। इससे लग्जरी ब्रांड और हाई-एंड रिटेल सेक्टर को सीधा फायदा मिल रहा है। चीन और इंडोनेशिया के साथ भारतीय आगे विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक स्तर पर विलासितापूर्ण खर्च में गिरावट के बावजूद सिंगापुर में भारतीय, चीनी और इंडोनेशियाई पर्यटक मजबूती से खर्च कर रहे हैं। इनमें भारतीयों की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है, जो सिंगापुर की पर्यटन रणनीति के लिए अहम संकेत है। पर्यटन उद्योग की रीढ़ बनते भारतीय ओआरबीए का कहना है कि भारतीय पर्यटक सिंगापुर के प्रमुख बाजारों में से एक बन चुके हैं। उनका ऊंचा खर्च और लंबा ठहराव सिंगापुर की अर्थव्यवस्था को स्थिर आधार देता है। आने वाले समय में सिंगापुर भारतीय यात्रियों को ध्यान में रखकर अपनी पर्यटन और रिटेल रणनीति को और मजबूत कर सकता है।

रूस-यूक्रेन शांति समझौता के बहुत करीब बर्लिन में बातचीत के बाद डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा दावा

वॉशिंगटन। रूस-यूक्रेन युद्ध तीन साल से ज्यादा समय से जारी है, लेकिन अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि शांति समझौता अब पहले से ज्यादा करीब है। बर्लिन में अमेरिका, यूरोप, नाटो और यूक्रेन के बीच हुई लंबी बातचीत से उम्मीद बढ़ी है। यूरोपीय देश सुरक्षा गारंटी को तैयार हैं, लेकिन इलाकों के नियंत्रण को लेकर अब भी सहमति नहीं बन पाई है। तीन साल से ज्यादा समय से चल रहे रूस और यूक्रेन संघर्ष इतने प्रयासों के बाद भी थमने का नाम नहीं ले रहा है। दोनों देशों के बीच हालात अभी भी तनावपूर्ण है। इसी बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर इस संघर्ष के जल्द खत्म होने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि रूस और यूक्रेन शांति समझौते को लेकर पहले से कहीं ज्यादा करबी आ चुके हैं। यह दावा उन्होंने अमेरिकी समयानुसार सोमवार को व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान की। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि बर्लिन में यूरोपीय नेताओं और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के साथ लंबी बातचीत के बाद हालात बेहतर होते दिख रहे हैं। बता दें कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है जब बर्लिन में अमेरिका, यूरोपीय देशों, नाटो के नेताओं और राष्ट्रपति जेलेंस्की के बीच कई घंटे तक बातचीत हुई। इन बैठकों में युद्ध को खत्म करने के तरीकों पर चर्चा की गई। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार यूरोपीय देश यूक्रेन को पश्चिमी सुरक्षा गारंटी देने के लिए तैयार हैं। लेकिन किस इलाके पर किसका नियंत्रण रहेगा, यह मुद्दा अब भी सबसे बड़ी रुकावट बना हुआ है। अमेरिका को मिल रहा यूरोप के कई देशों का साथ- ट्रंप ट्रंप ने आगे कहा कि अमेरिका को यूरोप के कई देशों का पूरा समर्थन मिल रहा है, जो इस युद्ध को खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हम इसे जरूर पूरा करेंगे। मुझे लगता है कि अब यह संघर्ष खत्म होने के पहले से ज्यादा करीब हैं। ट्रंप ने देशों के नाम का जिक्र करते हुए कहा कि जर्मनी, इटली, फ्रांस, ब्रिटेन, पोलैंड, नॉर्वे, डेनमार्क, फिनलैंड और नीदरलैंड जैसे देश अमेरिका के साथ मिलकर युद्ध खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। इतना ही नहीं ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बातचीत होने की बात का भी दावा किया। उन्होंने कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ कई बातचीत हुई हैं और सब मानते हैं कि हम समाधान के बहुत नजदीक हैं। हम बहुत सारी जिंदगियां बचाना चाहते हैं। रूस-यूक्रेन की शर्तें अभी भी चनौती हालांकि इन सभी चिजों के बीच ट्रंप ने यह भी माना कि रूस और यूक्रेन को एक ही समय पर और एक ही शर्तों पर सहमत कराना सबसे बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा कि कभी रूस शांति चाहता है और यूक्रेन पीछे हट जाता है, तो कभी यूक्रेन तैयार होता है और रूस नहीं। हमें दोनों को एक ही पन्ने पर लाना होगा। अभी असमान्य है रूस-यूक्रेन के बीच हालात गौरतलब है कि शांति समझौते पर जारी बातचीत से पहले यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की यह संकेत दे चुके हैं कि अगर पश्चिमी देश मजबूत सुरक्षा की गारंटी दें, तो यूक्रेन नाटो की सदस्यता की मांग छोड़ने पर भी विचार कर सकता है। वहीं दूसरी ओर, हालात अब भी तनावपूर्ण हैं। रात के समय रूस ने यूक्रेन पर 153 ड्रोन हमले किए। यूक्रेनी अधिकारियों के अनुसार, इनमें से 17 ड्रोन अपने लक्ष्य तक पहुंचे।

जयशंकर ने यूएई के शीर्ष नेतृत्व के साथ की बैठक आर्थिक और रक्षा सहयोग पर हुई सार्थक चर्चा

अबू धाबी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने यूएई की शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात कर आर्थिक और रक्षा सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की। उन्होंने संयुक्त आयोग बैठक और रणनीतिक संवाद की सह-अध्यक्षता की और मुबादला निवेश कंपनी के सीईओ से भी बातचीत की। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संयुक्त अरब अमीरात की शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात कर भारत-यूएई संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में अहम पहल की है। इन बैठकों में आर्थिक सहयोग, रक्षा साझेदारी और रणनीतिक संवाद को आगे बढ़ाने पर व्यापक चर्चा हुई। यह दौरा ऐसे समय में हुआ है, जब भारत और यूएई के रिश्ते तेजी से बहुआयामी रूप ले रहे हैं और क्षेत्रीय व वैश्विक स्तर पर दोनों देशों की भूमिका अहम मानी जा रही है। विदेश मंत्री जयशंकर तीन दिन तक चले सिर बनी यास फोरम

2025 में हिस्सा लेने के बाद सोमवार को अबू धाबी पहुंचे। यहां उन्होंने यूएई के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान के साथ 16वीं संयुक्त आयोग बैठक और पांचवें रणनीतिक संवाद की सह-अध्यक्षता की। इस दौरान दोनों देशों के बीच सहयोग के मौजूदा ढांचे की समीक्षा की गई और भविष्य की प्राथमिकताओं पर सहमति बनी। आर्थिक और रक्षा सहयोग पर जोर जयशंकर ने यूएई के उपराष्ट्रपति शेख मंसूर बिन जायद बिन सुल्तान अल नाहयान से मुलाकात की। इस बैठक में आर्थिक सहयोग को गहरा करने और रक्षा क्षेत्र में साझेदारी बढ़ाने पर विशेष चर्चा हुई। विदेश मंत्री ने इसे बेहद उपयोगी बातचीत बताया और कहा कि दोनों देश आपसी विश्वास के आधार पर आगे बढ़ रहे हैं। रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग को क्षेत्रीय स्थिरता के लिए अहम माना गया। निवेश और भू-आर्थिक हालात पर बातचीत विदेश मंत्री जयशंकर ने मुबादला इन्वेस्टमेंट कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी खालदून खलीफा अल मुबारक से भी मुलाकात की। मुबादला अबू धाबी सरकार की प्रमुख संप्रभु निवेश कंपनी है। इस बातचीत में वैश्विक भू-आर्थिक स्थिति पर विचार साझा किए गए और भारत-यूएई आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने की जरूरत पर जोर दिया गया। जयशंकर ने भारत में उभरते निवेश अवसरों की जानकारी भी दी। रणनीतिक संवाद को मिली नई दिशा भारत और यूएई के बीच हुए रणनीतिक संवाद में व्यापार, निवेश, ऊर्जा, तकनीक और रक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमति बनी। दोनों देशों ने माना कि मौजूदा वैश्विक हालात में एक-दूसरे के साथ तालमेल और मजबूत करना जरूरी है। यह संवाद भारत-यूएई व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और ठोस बनाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। अगला पड़ाव इस्त्राइल यात्रा यूएई दौरे के बाद विदेश मंत्री जयशंकर मंगलवार को इस्त्राइल की यात्रा पर जाएंगे। वहां वे अपने समकक्ष गिडिओन सआर के साथ द्विपक्षीय बातचीत करेंगे। इसके अलावा जयशंकर की इस्त्राइल के राष्ट्रपति आइजक हजीग और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से भी मुलाकात तय है। इस्त्राइल दौरे में क्षेत्रीय सुरक्षा और द्विपक्षीय सहयोग के मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। जयशंकर का यह दौरा भारत की सक्रिय और संतुलित विदेश नीति को दशार्ता है। यूएई जैसे अहम साझेदार के साथ रिश्तों को और मजबूत करना भारत की प्राथमिकता है। आर्थिक निवेश से लेकर रक्षा सहयोग और रणनीतिक संवाद तक, यह यात्रा भारत की वैश्विक भूमिका को और सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

मैक्सिको में दर्दनाक विमान हादसा

आपात लैंडिंग के दौरान प्लेन हुआ क्रैश

मैक्सिको। मध्य मैक्सिको में इमरजेंसी लैंडिंग के दौरान एक छोटा निजी विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस

हादसे में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई। विमान अकापुल्को से उड़ान भरकर टोलुका जा रहा था। मध्य मेक्सिको में एक छोटा निजी विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इमरजेंसी लैंडिंग की कोशिश के दौरान हुए इस हादसे में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि विमान के टकराते ही इलाके में आग लग गई और अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय प्रशासन ने मृतकों की संख्या की पुष्टि की है और राहत-बचाव कार्य जारी रहा। मेक्सिको स्टेट सिविल प्रोटेक्शन समन्वयक एड्रियान हर्नांडेज के मुताबिक, यह दुर्घटना सैन मातेओ अतेन्को इलाके में हुई। यह क्षेत्र टोलुका एयरपोर्ट से करीब पांच किलोमीटर दूर और मेक्सिको सिटी से लगभग 50 किलोमीटर पश्चिम में स्थित है। विमान ने अकापुल्को से उड़ान भरी थी। तकनीकी कारणों के चलते पायलट ने इमरजेंसी लैंडिंग का फैसला लिया। विमान में आठ यात्री और दो क्रू सदस्य दर्ज थे, लेकिन कई घंटे बाद तक सिर्फ सात शव ही बरामद किए जा सके। छत से टकराया विमान प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, विमान एक फुटबॉल मैदान पर उतरने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान वह पास में स्थित एक व्यावसायिक इमारत की लोहे की छत से टकरा गया। टक्कर के बाद विमान में आग लग गई, जिसने आसपास के क्षेत्र को भी अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद मौके पर दमकल और बचाव दल पहुंचे और आग पर काबू पाया।

भारत-नेपाल संबंधों के लिए अच्छी खबर हिमालयी देश में भारतीय नोटों पर लगा प्रतिबंध हटा

काठमांडू। एक बार जब नेपाल सरकार का फैसला नेपाल गजट में छप जाएगा, तो ठफ्ह इस संबंध में एक सर्कुलर जारी करेगा, जो भारत से नेपाल या नेपाल से भारत यात्रा करने वाले व्यक्तियों द्वारा ज्यादा कीमत वाले भारतीय बैंक नोटों के इस्तेमाल को कानूनी बना देगा। नेपाल में सत्ता परिवर्तन और केपी शर्मा ओली की सरकार के सत्ता से बेदखल होने के बाद से भारत-नेपाल संबंधों में फिर से मजबूती आ रही है। नए कदम के तहत नेपाल ने बड़ी संख्या में भारतीय मुद्रा नेपाल लाने-ले जाने पर लगे प्रतिबंध को हटा लिया है। इससे नेपाल में भारतीय मुद्रा पर लगा एक दशक पुराना प्रतिबंध खत्म हो जाएगा। नेपाल सरकार के नए फैसले के बाद कोई भी व्यक्ति अधिकतम 25,000 रुपये तक के 200 और 500 रुपये के भारतीय नोट रख सकता हैं। कैबिनेट सूत्रों के अनुसार, यह फैसला सोमवार को कैबिनेट बैठक में लिया गया। रिजर्व बैंक के संशोधन के बाद नेपाल सरकार का फैसला बदले हुए नियम के तहत, नेपाली और भारतीय दोनों नागरिक ज्यादा कीमत वाले बैंक नोट भारत से नेपाल ला सकते हैं या नेपाल से भारत ले जा सकते हैं। सोमवार को नेपाली कैबिनेट का यह फैसला, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट (करेंसी का एक्सपोर्ट और इम्पोर्ट) रेगुलेशन, 2015 में किए गए संशोधनों के बाद आया है। यह संशोधन भारतीय, नेपाली और भूटानी नागरिकों को भारत आने-जाने के दौरान ज्यादा मात्रा में भारतीय करेंसी ले जाने की अनुमति देता है। नेपाल राष्ट्र बैंक (ठफ्ह) के प्रवक्ता गुरु प्रसाद पौडेल के अनुसार, एक बार जब सरकार का फैसला नेपाल गजट में छप जाएगा, तो ठफ्ह इस संबंध में एक सर्कुलर जारी करेगा, जो भारत से नेपाल या नेपाल से भारत यात्रा करने वाले व्यक्तियों द्वारा ज्यादा कीमत वाले भारतीय बैंक नोटों के इस्तेमाल को कानूनी बना देगा। इस कदम का क्या होगा फायदा इससे दोनों देशों के पर्यटकों के साथ-साथ व्यापारियों को भी एक-दूसरे के देश में यात्रा करने या व्यापार करने में आसानी होगी। पौडेल ने कहा, 'यह हमारी लंबे समय से चली आ रही मांग थी, जिस पर भारत ने सकारात्मक जवाब दिया।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।